

ठाणे में नगर निगम के पुराने दफ्तर में भीषण आग

सभी रिकॉर्ड जलकर खाक

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे ठाणे जिले में महानगर पालिका के एक पुराने कार्यालय भवन में आग लगने की घटना सामने आई है, जिसमें जरूरी अभिलेखों के साथ-साथ फर्नीचर और अन्य सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गए। इस घटना की जानकारी एक अधिकारी ने गुरुवार (23 अप्रैल) को दी। बताया जा रहा है कि यह आग बुधवार (22 अप्रैल) शाम लगभग 6 बजकर 50 मिनट पर मुंब्रा इलाके में स्थित सहयोग अपार्टमेंट के अंदर बने वार्ड समिति कार्यालय में लगी थी।

करीब 2 घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

ठाणे आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। दमकलकर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद रात करीब 9 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हाताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

विरार हत्याकांड का 12 घंटे में खुलासा

पति और दूसरी पत्नी गिरफ्तार, हत्या से फैली सनसनी

हिंदमाता संवाददाता @ विरार विरार के बोलीजं क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने महज 12 घंटे में खुलासा कर दिया। इस मामले में आरोपी पति और उसकी दूसरी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पहली पत्नी की हत्या कर आरोपी परिवार सहित फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में 21 अप्रैल 2026 को शाम 5:38 बजे अपराध क्रमांक 161/2026 के तहत भारतीय खबरो पर संहिता 2023 की धारा 103(1), 3(5) के अंतर्गत भारतीय माला दर्ज किया गया। शिकायत टेकेदार श्रीराम गोपीराम गुजर (43) ने दर्ज कराई, जो विरार पूर्व के निवासी हैं।

घटनास्थल का भयावह दृश्य

जांच में सामने आया कि आरोपी मुन्ना ब्रह्मदेव यादव (28), जो मूल रूप से बिहार का निवासी है, विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी क्षेत्र में मजदूरी करता था। 21 अप्रैल की सुबह जब टेकेदार लेबर रूम पहुंचे, तो उन्होंने पहली पत्नी आरती उर्फ सपनाकुमारी (19) को खून से लथपथ मृत अवस्था में पाया। मौके पर आरोपी और उसकी दूसरी पत्नी मीरा फरार थे।

हत्या का खुलासा

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि पत्नी की गोलीबारी के कथित अवैध संबंधों को लेकर विवाद हुआ था। गुस्से में आकर उसने अपनी दूसरी पत्नी के साथ मिलकर आरती की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है, जो वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश कावले के मार्गदर्शन में जारी है।

सीएसएमटी घटना टली, इंटरलॉकिंग सिस्टम बना सुरक्षा कवच

मध्य रेल का स्पष्टीकरण—मानवीय सतर्कता और फेल-सेफ़ तकनीक के तालमेल से टला बड़ा हादसा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई 22 अप्रैल 2026 को सीएसएमटी पर हुई संभावित अप्रिय घटना को लेकर कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों पर मध्य रेल ने स्पष्टीकरण जारी किया है। विभाग के अनुसार, घटना के संबंध में प्रसारित जानकारी पूरी तरह सही नहीं थी और वास्तविक स्थिति को स्पष्ट करना आवश्यक है। मध्य रेल ने बताया कि मोटरमैन की त्वरित प्रतिक्रिया सराहनीय रही, लेकिन इसके साथ ही रेलवे की उन्नत सुरक्षा संरचना ने भी अहम भूमिका निभाई। इंटरलॉकिंग सिस्टम और सहायक चेतावनी प्रणाली (एडवर्क्यूप्स) जैसे 'फेल-सेफ़' तंत्र मानवीय हस्तक्षेप के साथ मिलकर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। प्रारंभिक जांच में घटना का कारण क्षणिक मानवीय त्रुटि माना गया है, जिसमें स्थितिजन्य जागरूकता में हल्की चूक हुई। हालांकि, इंटरलॉकिंग सिस्टम ने इलेक्ट्रॉनिक प्रहरी की तरह कार्य करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इंटरलॉकिंग सिस्टम एक अत्यंत महत्वपूर्ण सुरक्षा तंत्र है, जो ट्रेनों के टकराव को रोकने और सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने में सक्षम है। यह प्रणाली सिग्नल और ट्रैक की स्थिति को सुरक्षित बनाए रखते हुए किसी भी संभावित खतरे को पहले ही रोक देती है। घटना के दिन इसी प्रणाली के प्रभावी संचालन के कारण मोटरमैन ने लाल सिग्नल से पहले ही ट्रेन रोक दी, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। मध्य रेल ने स्पष्ट किया कि सतर्क चालक दल और आधुनिक तकनीक का समन्वय ही सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है।

मीरा भायंदर में प्री-मानसून तैयारी तेज

मैंग्रोव क्षेत्रों में नाला सफाई पर बनी रणनीति

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा भायंदर मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए नालों की प्री-मानसून सफाई और मैंग्रोव क्षेत्रों में आवश्यक कार्यों की अनुमति को लेकर एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। यह बैठक विंडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संपन्न हुई। बैठक में राज्य के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपेश नाईक, उप सचिव मिलिंद म्हैसकर, महापौर डिंपल मेहता, आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, उपमहापौर ध्रुव किशोर पाटिल सहित नगर प्रशासन और मैंग्रोव विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर डिंपल मेहता ने जानकारी दी कि शहर के कुल 31 नालों में से कई नाले खाड़ी किनारे स्थित हैं, जहां मैंग्रोव वन तेजी से फैल गए हैं। इनकी वजह से पानी के प्राकृतिक प्रवाह में रुकावट पैदा हो रही है, जिससे नालों की सफाई कार्य प्रभावित हो रहा है।

जलकर खाक हुई शिवशाही बस

●धधकती आग से दमकलकर्मियों ने निकाला यात्री का 3 तोला सोना

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे ठाणे जिले में आज एक भीषण बस दुर्घटना टल गई, जहां धधकती आग के बीच न केवल 15 यात्रियों की जान बचाई गई, बल्कि एक महिला यात्री का साढ़े तीन तोला सोना भी सुरक्षित निकाल लिया गया। यह घटना ठाणे स्टेशन के पास हुई, जब पुणे से वापी जा रही एक शिवशाही बस में अचानक आग लग गई। भीषण गर्मी और उमस के बीच, यह बस ठाणे से पालघर होते हुए बोइसर की ओर प्रस्थान करने वाली थी। जैसे ही बस ठाणे स्टेशन पहुंची, चालक को इंजन और डीजल टैंक के पास से धुआं निकलता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बस में कुल 15 यात्री सवार थे, जो समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे। हालांकि, इस अफरा-तफरी के बीच पुणे की एक महिला यात्री का बैग बस के अंदर ही छूट गया, जिसमें साढ़े तीन तोला सोना रखा था।

तकनीकी खराबी या गर्मी?

शुरुआती जांच में आग लगने का कारण बस के निचले हिस्से में शॉर्ट सर्किट या इंजन का ओवरहीट होना बताया जा रहा है। दमकल विभाग और परिवहन विभाग आग के सटीक कारणों का पता लगाने में जुटे हैं। गंभीरता रही कि आग लगते ही बस रुक गई और सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई।

इंस्टाग्राम विज्ञापन से 64 लोगों से ठगी

सस्ते घर का झांसा देकर 93 लाख की धोखाधड़ी

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण कल्याण के खोणी-धामटण गांव में सस्ते घर दिलाने का लालच देकर 'साई माऊली' नामक बिल्डर ने 64 लोगों से करीब 93 लाख 80 हजार रुपए की ठगी कर ली। आरोपी बिल्डर अब फरार है और उसका कार्यालय बंद मिला है। पीड़ितों को शिकायत पर मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने 'जान्हवी प्रॉपर्टी' नाम से इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देकर लोगों को फंसाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

लुभावने ऑफर का झांसा

डोबिवली निवासी आवल गुप्ता ने बताया कि इंस्टाग्राम पर 1 बीएचके प्लेट 5 लाख और 2 बीएचके 7 लाख रुपए में देने का विज्ञापन देखा था। संपर्क करने पर उन्हें धामटण गांव में प्रोजेक्ट दिखाया गया, जहां उन्होंने बुकिंग के लिए 2.85 लाख रुपए जीपी और नन्दव में जमा किए। 11 अप्रैल को वापी लेने पहुंचने पर ऑफिस बंद मिला और वहां कई अन्य लोग भी ठगी का शिकार होने की जानकारी मिली। इसके बाद पीड़ितों ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया।

कल्याण मेट्रो के नए मार्ग को मंजूरी

खडकपाड़ा मार्ग से चलेगी मेट्रो दो माह में काम शुरू होने की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण ठाणे- भिवंडी- कल्याण मेट्रो परियोजना के संशोधित मार्ग को राज्य सरकार की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। अब मेट्रो खडकपाड़ा मार्ग से संचालित होगी और अगले दो महीनों में निर्माण कार्य शुरू करने की योजना है। यह जानकारी शिवसेना शहर प्रमुख रवि पाटिल ने पत्रकार परिषद में दी।

परियोजना को गति

मेट्रो परियोजना के लिए अतिरिक्त निधि भी स्वीकृत कर दी गई है। एक महीने के भीतर निविदा प्रक्रिया पूरी कर 60 दिनों में काम शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस निर्णय को शहर के विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। धामणकर नाका (भिवंडी) से कल्याण दुगाडी तक मेट्रो-5 और दुगाडी चौक-आधारवाडी-खडकपाड़ा-भाईरवाडी-उल्हासनगर मार्ग (मेट्रो-5ए) को प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। इससे कल्याण पश्चिम के करीब पांच लाख नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा।

बेलापुर कोर्ट का बड़ा आदेश

42 हजार की रिश्तत मामले में नवी मुंबई मनपा अधिकारी रिमांड पर

हिंदमाता संवाददाता @ बेलापुर बेलापुर सेशंस कोर्ट ने नवी मुंबई मनपा के अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड को रिमांड पर रखने का आदेश जारी किया है। गायकवाड़ को कॉन्ट्रैक्टर से रिश्तत लेते रगे हाथों पकड़ा गया था। उन्हें बेलापुर सेशंस कोर्ट ने 24 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। एंटी-करणधन ब्यूरो ने उन्हें बुधवार दोपहर करीब 2.30 बजे कोर्ट में पेश किया। सरकारी पक्ष ने उनकी कस्टडी मांगी थी, यह कहते हुए कि मामले में फाईनैशियल ट्रांजेक्शन का पता लगाना, संबंधित डॉक्यूमेंट्स की जांच करना और दूसरे संभावित संबंधित लोगों की तलाश करना जरूरी है।

एसीबी ने रात भर ली गायकवाड के घर की तलाशी

डॉ. गायकवाड को मंगलवार के दिन मनपा मुख्यालय में अपने ऑफिस में एक कॉन्ट्रैक्टर से 42,000 रुपए की रिश्तत लेते हुए पकड़ा था। उन पर आरोप है कि उन्होंने ऐरोली विभाग में अतिक्रमण विरोधी अभियान के लिए गाड़ियां देने वाले कॉन्ट्रैक्टर से करीब 21 लाख रुपए के पेंडिंग बिल को मंजूरी देने और चेक पर साइन करने के लिए यह रुकम मांगी थी। एसीबी ने कॉन्ट्रैक्टर की शिकायत वेरिफाई करने के बाद यह कार्रवाई की। बताया गया कि गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम ने गायकवाड के घर पर रात भर तलाशी ली।

दमकलकर्मियों का साहस और 'चमत्कार'

ठाणे बस में आग इतनी भीषण थी कि पूरी बस जलकर लोहे का ढांचा बन गई। महिला यात्री अपने गहनों के लिए बेहद चिंतित थीं, क्योंकि वर्तमान में सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं। सूचना मिलते ही ठाणे दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत कार्य के दौरान, दमकलकर्मियों ने जलते हुए मलबे के बीच से महिला का बैग खोज निकाला। सभी को सुखद आश्चर्य तब हुआ जब बस के पूरी तरह जल जाने के बाद भी बैग के भीतर रखा सोना सुरक्षित पाया गया। दमकलकर्मियों की इस ईमानदारी और बहादुरी की यात्रियों ने जमकर सराहना की।

बढ़ती कीमतें और सुरक्षा की चिंता

आज के समय में सोने की कीमतें 1.56 लाख रुपए प्रति औंस के करीब पहुंच गई हैं। ऐसे में यात्रा के दौरान कीमती आभूषण साथ ले जाना जोखिम भरा साबित हो रहा है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि बढ़ती चोरी और ऐसी आकस्मिक दुर्घटनाओं को देखते हुए यात्रियों को यात्रा के दौरान कम से कम कीमती सामान साथ रखना चाहिए। फिलहाल, ठाणे अग्निशमन दल की सतर्कता से महिला यात्री को उसका कीमती सोना वापस मिल गया है।

विरार सेंधमारी का पर्दाफाश

दो नाबालिम सहित चार आरोपी गिरफ्तार

चोरी की वारदात, लाखों का माल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ विरार विरार पश्चिम के विराट नगर स्थित शाम सागर बिल्डिंग में हुई लाखों रुपए की सेंधमारी चोरी का बोलीजं पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो विधि संघर्षित बालकों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

घटना का विवरण

पुलिस के अनुसार, 22 मार्च से 13 अप्रैल 2026 के बीच अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाया। दूसरी चाबी से दरवाजा खोलकर घर में घुसे चोरों ने अलमारी और ड्रॉअर तोड़कर करीब 12 लाख रुपए के सोने के आभूषण और नकदी चुरा ली। जांच के दौरान पता चला कि कुछ महीने पहले घर की चाबी शिकायतकर्ता के बेटे से खो गई थी। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और गुप्त सूत्रों को सक्रिय किया, जिससे मामले में महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लगी।

अंजूर-चिंचोटी रोड पर निर्माण को लेकर बवाल

घटिया काम के आरोप, मानसून से पहले सड़क नहीं खुली तो आंदोलन की चेतावनी

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी अंजूर फाटा-चिंचोटी रोड के सीमेंट कंक्रीटीकरण कार्य को लेकर विवाद तेज हो गया है। वर्षों से खराब हालत में पड़ी इस सड़क के लिए 300 करोड़ रुपए से अधिक का फंड मंजूर होने के बावजूद निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। शिवसेना (शिदि गुट) के पदाधिकारी ओम मुकादम ने काम को घंटिया बताते हुए भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं।

गुणवत्ता पर सवाल

जानकारी के अनुसार, सार्वजनिक निर्माण विभाग के लहत सड़क का काम जारी है, लेकिन निर्माण में कई अनियमितताओं की शिकायत सामने आई है। गटर स्लेब पर कवरिंग नहीं, ट्रांजिट मिक्सर में जरूरी केमिकल का अभाव और बेव रिपोर्ट न होने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

आंदोलन की चेतावनी

ओम मुकादम ने चेतावनी दी है कि यदि मानसून से पहले सड़क का एक हिस्सा भी बालू नहीं किया गया, तो वे सड़क पर उत्तरकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता को हो रही परेशानी को अब और नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

ठाणे बेलापुर औद्योगिक क्षेत्र एमआईडीसी में ट्रक टर्मिनल की तैयारी

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने एशिया के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल जॉन के तौर पर जाने वाले ठाणे-बेलापुर इंडस्ट्रियल जॉन में भारी गाड़ियों से होने वाली भीड़ को हल करने के लिए युद्ध स्तर पर समाधान निकालना शुरू कर दिया है। इतने बड़े इंडस्ट्रियल जॉन में आने-जाने वाली भारी गाड़ियों को पार्क करने के लिए अभी भी कोई सही सिस्टम नहीं है। यहां के उद्यमियों की जिद के कारण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस इलाके में अच्छी सुविधाओं वाले ट्रक टर्मिनल बनाने का आदेश दिया था। इसके अनुसार, ऐरोली के इलठाण पाडा और तुर्ष एमआईडीसी परिसर में जल्द ही अच्छी सुविधाओं वाले ट्रक टर्मिनल शुरू किए जाएंगे।

कई ब्लॉक में बटा है एमआईडीसी परिसर

एमआईडीसी ने ठाणे-बेलापुर रोड के पूर्वी हिस्से में 2333.27 हेक्टेयर एरिया में ठाणे-बेलापुर इंडस्ट्रियल जॉन बनाया है। इस एरिया में ए, सी, डी, आर, के और ई, एल जैसे अलग-अलग ब्लॉक शामिल हैं। इस इंडस्ट्रियल एरिया में 6 हजार से ज्यादा छोटी, मीडियम और बड़ी इंडस्ट्रीज हैं। साथ ही, आने वाले समय में इस एरिया में और भी नई इंडस्ट्रीज लग रही हैं। इस सीटिंग में एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के केमिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स, फार्मास्यूटिकल इंजीनियरिंग, कोल्ड स्टोरेज, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी जैसी कई तरह की इंडस्ट्रीज चल रही हैं। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, पुणे, मुंबई और देश के अलग-अलग हिस्सों से सामान ले जाने वाली भारी गाड़ियां इस इंडस्ट्रियल एरिया में आ-जा रही हैं। इनमें से ज्यादातर गाड़ियां इसी एरिया में पार्क की जाती हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने ठाणे-बेलापुर इंडस्ट्रियल बेल्ट के एंटरप्रेन्योर्स के अलग-अलग मुद्दों पर एक मीटिंग रखी थी। इस मीटिंग में एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन ने इस इलाके में ट्रक टर्मिनल न होने से होने वाली ट्रैफिक समस्याओं के बारे में बताया था। फडणवीस ने भारी गाड़ियों को पार्क करने के लिए तुरंत एक सिस्टम बनाने का आदेश दिया था।

भिवंडी स्टेशन पर दर्दनाक हादसा

ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच में गिरने से युवती की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी भिवंडी से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। भिवंडी रोड रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में एक 19 वर्षीय युवती की जान चली गई। यह हादसा मंगलवार शाम करीब 7:25 बजे प्लेटफॉर्म नंबर चार पर हुआ। मृतका की पहचान गुजरात के सूरत की रहने वाली जिनीशा खंडेलवाल के रूप में हुई है।

शादी समारोह से लौट रहा था परिवार

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जिनीशा खंडेलवाल अपने परिवार के साथ पुणे में एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी। वहां से लौटते समय, वह गुजरात जाने से पहले भिवंडी के अंजूर फाटा इलाके में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रही थी। परिवार के बाकी सदस्य ट्रेन से सुरक्षित उतर गए थे, लेकिन लैकन जिनीशा चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश करते समय अपना संतुलन खो बैठी और फिसल गई।

गंभीर चोटों ने ली जान

डॉबिवली राजकीय रेलवे पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक बाबासाहेब थोराट ने बताया कि पीड़िता ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गई और सीधे पहियों की चपेट में आ गई। उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के तुरंत बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे 'ब्रैट डेड' (अस्पताल पहुंचने से पहले मृत) घोषित कर दिया। जीआरपी ने बुधवार को इस मामले में आकस्मिक मृत्यु दर्ज की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि वे इस घटना की सीसीटीवी फुटेज और अन्य गवाहों के आधार पर गहन जांच कर रहे हैं।

भिवंडी में अतिक्रमण कार्रवाई के दौरान झड़प

मनपा टीम से धक्का-मुक्की, कार्रवाई के दौरान विवाद

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी भिवंडी के कचहरी पाड़ा इलाके में बुधवार को अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस निजामपुर महानगरपालिका की टीम के साथ धक्का-मुक्की की घटना सामने आई। इस दौरान अतिक्रमण प्रथम प्रमुख अरविंद गुगरे के साथ हुई झड़प ने पूरे शहर में चर्चा छेड़ दी है। जानकारी के अनुसार, मनपा की टीम सड़क किनारे कालिंगर (तरबूज) बेच रहे फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी। कार्रवाई शुरू होते ही कुछ दुकानदारों ने विरोध जताया और टीम के साथ कहासुनी करने लगे, जिससे माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया।

अफरा-तफरी का माहौल

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद बढ़ने पर स्थिति बिगड़ गई और इसी दौरान अरविंद गुगरे के साथ धक्का-मुक्की हुई। कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि बाद में अधिकारियों ने स्थिति को संभाल लिया।

अभियान जारी रहेगा

मनपा अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने और अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए यह अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है। घटना के बाद कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठें हैं। फिलहाल मामले में किसी औपचारिक शिकायत की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन घटना के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है और आगे की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

भायंदर में सड़क पर भिड़ंत पुलिस ने सफाया मोर्चा

सदावर्त और मनसे कार्यकर्ताओं के बीच विवाद

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर गुरुवार को भायंदर में वकील गुणरत्न सदावर्त और मनसे (एमएनएस) कार्यकर्ताओं के बीच सड़क पर तीखा विवाद देखने को मिला। रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने के फैसले के विरोध में पहुंचे सदावर्त को मनसे पदाधिकारियों ने घेर लिया, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, परिवहन मंत्री प्रताप सिद्धांत के निदेश पर 1 मई से रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया है। इसी मुद्दे को लेकर सदावर्त भायंदर पहुंचे थे और रिक्शा चालकों से मुलाकात कर सरकार के फैसले का विरोध कर रहे थे। उन्होंने इस निर्णय को वापस लेने की चेतावनी भी दी। इस दौरान सदावर्त ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे की आलोचना करते हुए कहा कि यदि रिक्शा चालकों के साथ मारपीट होती है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उनके इस बयान के बाद मौके पर मौजूद मनसे कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और विरोध करने लगे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हस्तक्षेप किया और कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर हालात पर काबू पाया। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव बना रहा।

नेरुल फ्लेमिंगो झील पर प्रदूषण का खतरा

जांच में जहरीले पानी का खुलासा

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई नेरुल स्थित डीपीएस फ्लेमिंगो झील से सटे नाले के पानी की ताजा प्रयोगशाला जांच ने गंभीर पर्यावरणीय चिंता पैदा कर दी है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं का आरोप है कि अपवाहित रूप से शुद्ध किया गया पनवेल महानगर पालिका का गंदा पानी ज्वार भाटा के समय इस संवेदनशील आर्द्रभूमि में पहुंचता है। जिसका असर समुद्र के जीव जंतुओं पर पड़ रहा है। जांच में पीएच 9.12 पाया गया, जबकि स्वीकृत सीमा 6.5 से 8.5 है। इसका अर्थ है कि पानी अत्यधिक क्षारीय है, जो जलचर जीवों, सूक्ष्म जीवों और आर्द्रभूमि की पारिस्थितिकी को प्रभावित कर सकता है। एसएसएसएस प्रयोगशाला द्वारा जांचे गए नमूने में टोटल डिस्सॉल्वड सॉलिड (टीडीएस) 7,950 मिग्रा/लीटर दर्ज किया गया, जो निर्धारित 2,100 मिग्रा/लीटर सीमा से काफी अधिक है। वायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) 36.4 मिग्रा/लीटर पाया गया, जो 30 मिग्रा/लीटर से अधिक है। केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी) 114.8 मिग्रा/लीटर दर्ज किया गया।

मुंबई में बिना काम के 7 करोड़ खर्च प्रस्ताव पर बवाल

बीएमसी की योजना पर सवाल



मुंबई में जल पाइपलाइनों के किनारे साइकिल ट्रैक और उद्यान विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना अब सवालों के घेरे में आ गई है। इस योजना का उद्देश्य शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देना था, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका क्रियान्वयन अधूरा ही रह गया। वास्तविकता यह है कि जिन स्थानों पर साइकिल ट्रैक और उद्यान विकसित किए जाने थे, वहां न तो कोई निर्माण कार्य हुआ और न ही बुनियादी सुविधाएं तैयार की गईं। इसके उलट कई जगहों पर अतिक्रमण बढ़ गया है, जिससे योजना पूरी तरह फिलतल नजर आ रही है।

7 करोड़ के प्रस्ताव पर विवाद

इस बीच बृह-मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) प्रशासन ने इन क्षेत्रों की देखभाल के लिए करीब 7 करोड़ रुपए का प्रस्ताव पेश किया, जिससे स्थायी समिति के सदस्यों में नाराजगी फैल गई। सदस्यों ने सवाल उठाया कि जब परियोजना का काम ही पूरा नहीं हुआ, तो रखरखाव पर इतनी बड़ी राशि क्यों खर्च की जा रही है।

समिति में तीखी प्रतिक्रिया

स्थायी समिति की बैठक में सदस्य दिपमाला बढे ने प्रशासन पर गुमराह करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि बिना किसी ठोस काम के इस तरह का प्रस्ताव पेश करना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। अन्य सदस्यों ने भी प्रशासन के इस कदम की कड़ी आलोचना की।

स्थानीय मुद्दों से बढ़ी नाराजगी

वाकोला पाइपलाइन क्षेत्र में पहले ही नागरिकों के घर हटाए जा चुके हैं, लेकिन कई प्रभावित लोगों को अब तक पुनर्वास नहीं मिला है। ऐसे में 18 किलोमीटर क्षेत्र के लिए 7 करोड़ रुपए का प्रस्ताव लाना लोगों के आक्रोश का और बढ़ा रहा है।

जवाबदेही पर उठे सवाल

कांग्रेस के स्थायी समिति सदस्य तुलिका मिरांडा ने इस पूरे मामले को बीएमसी की गंभीर लापरवाही बताया है। उन्होंने कहा कि जब परियोजना अधूरी है, तो रखरखाव के नाम पर धन की मांग करना गलत है। इस मुद्दे ने प्रशासन की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोवंडी में आग लगने से 10 कार क्षतिग्रस्त

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के गोवंडी इलाके में गुरुवार को आग की चपेट में आने से कम से कम 10 कार क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड पर बैंगनवाड़ी सिमनल के पास पूर्वाब्द करीब 11:45 बजे आग लग गई। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही मुंबई दमकल विभाग के कर्मों मौके पर पहुंचे तथा दोपहर 12 बजकर 22 मिनट पर आग पर काबू पा लिया। उन्होंने कहा कि वहां खड़ी 10 से 12 गाड़ियां आग लगने के कारण क्षतिग्रस्त हो गईं। वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक कार का सीएनजी सिलेंडर भी फट गया। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

5 मिनट के लिए ऑफिस में नमाज पढ़ने पर बवाल क्यों?

अबू आजमी ने हालिया घटनाओं पर उठाए सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने महाराष्ट्र में धर्मांतरण, कानून और इससे के मामलों को लेकर सरकार की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुसलमानों के साथ असमान व्यवहार किया जा रहा है। धर्मांतरण पर बोलते हुए अबू आजमी ने कहा कि पुणे, नागपुर और नासिक जैसे शहरों में बजरन धर्मांतरण की कोई घटना सामने नहीं आई है। उन्होंने इन आरोपों को गलत बताया और खास तौर पर नासिक के मामले को फर्जी करार दिया। उनका कहना है कि असल में मुसलमानों को परेशान किया जा रहा है और उनके रोजगार पर असर डालने की कोशिश की जा रही है।

..तो फिर नमाज का विरोध क्यों होता है ?

अबू आजमी को कोर्पोरेट कंपनियों में नमाज पढ़ने को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर कोई कर्मचारी 5 मिनट के लिए ऑफिस में नमाज पढ़ता है, तो इसमें कोई बुराई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब कंपनियों में गणपति उत्सव या दूसरे धर्मों के त्योहार मनाए जाते हैं, तो फिर नमाज का विरोध क्यों किया जाता है। वरतों में बीजेपी महिला मोर्चा विवाद पर उन्होंने आरोप लगाया कि विश्व को कार्यक्रम निकालने की अनुमति आसानी से नहीं मिलती, जबकि सत्तापक्ष बिना रोक-टोक कार्यक्रम करता है, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है।

सभी के साथ समान व्यवहार होना चाहिए

अमरावती में आरोपी अयान को शहर भर में पुलिस द्वारा परेड कराए जाने पर अबू आजमी ने कानून में दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। सपा नेता ने कहा कि कुछ मामलों में आरोपियों को हिरासत सख्त कार्रवाई होती है, जैसे घरो पर बुलडोजर चलाना या परेड कराना, जबकि दूसरे मामलों में ऐसा नहीं होता। उन्होंने सवाल किया कि अगर किसी ने गलत किया है तो उसे सजा मिलनी चाहिए, लेकिन सभी के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। युसुफ पठान के रिश्तेदार मामले में उन्होंने सियासी साजिश की संभावना जताते हुए कहा कि हो सकता है कि उनके परिवार को परेशान करने के लिए कार्रवाई की गई हो क्योंकि वे ममता बनर्जी के साथ जुड़े हैं।

संजय निरुपम की सरकार को चेतावनी

शिवसेना नेता और पूर्व सांसद संजय निरुपम ने इस फैसले को ‘अनुचित’ करार देते हुए कहा कि इससे वालकों के बीच डर का माहौल है। निरुपम ने तर्क दिया कि यात्रियों से बात करने के लिए बुनियादी मराठी आना ठीक है, लेकिन वालकों से लिखने, पढ़ने और पूर्ण निपुणता की अपेक्षा करना गलत है। अगर सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया, तो हमें अपनी ही सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़ेगा। उन्होंने इस मुद्दे पर व्यक्तिगत रूप से मंत्री सरनाईक से चर्चा करने की बात भी कही है।

व्या है सरकार की योजना ?

दूसरी ओर, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक अपने फैसले पर अडिग नजर आ रहे हैं। सरकार की योजना है कि अमराठी वालकों को मराठी सिखाने के लिए विशेष पाठ्यक्रम चलाया जाए। हालांकि, मुंबई ऑटो रिक्शा मेन्स यूनियन जैसे बड़े संगठनों के हड़ताल पर जाई की घोषणा ने सरकार की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस आंतरिक कलह और संभावित हड़ताल को कैसे सुलझाते हैं।

मुंबई पुलिस में मेडिकल और एलटीए बिलों की देरी पर जांच

रिकॉर्ड गायब मिलने से बढ़ा संदेह

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई पुलिस कर्मियों द्वारा मेडिकल रिइन्वर्समेंट, लीव ट्रेवल अलाउंस और अन्य बिलों के भुगतान में हो रही देरी की शिकायतों के बाद महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। कई शिकायतों में बताया गया कि 2024 से लॉबित बिल अब तक क्लियर नहीं हुए हैं, जबकि इनके लिए फंड पहले ही मंजूर किए जा चुके थे। सूत्रों के मुताबिक, गृह विभाग की एक टीम को हाल ही में नॉर्थ रीजन भेजा गया था, जहां प्रशासनिक अधिकारी ज्योत्सना शेख से संबंधित दस्तावेज और जानकारी जुटाई जानी थी। हालांकि, जांच के दौरान अधिकारियों को उम्मीद के मुताबिक रिकॉर्ड नहीं मिले। जिससे मामले में और संदेह पैदा हो गया है।

लवित बिलों का कोई नहीं मिला रिकॉर्ड

जानकारी के अनुसार, जांच टीम को लवित बिलों का कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड या फाइल नहीं मिली। केवल कुछ चुनिंदा बिलों का जिक्र दिखाया गया, जो संदिग्ध प्रतीत हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि न तो कोई पूरा रजिस्टर मिला और न ही सही दस्तावेज, जिससे रिकॉर्ड में गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई है। इससे पहले भी गृह विभाग में कानून श्रेख से देरी को लेकर जवाब मांगा था, लेकिन उन्होंने बार-बार संपर्क के बावजूद कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्हें विभाग के सामने पेश होने के लिए भी कहा गया था, लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया। इसके बाद एक टीम बनाकर मौके पर जांच की गई। टीम जब मुंबई पुलिस के नॉर्थ रीजन ऑफिस पहुंची, तब भी पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। टीम को केवल 2-3 एंटी दिखाई गईं, जबकि बाकी रिकॉर्ड गायब पाए गए।

अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही जांच टीम

सूत्रों के अनुसार, रिकॉर्ड की कमी और सहयोग न मिलने से अनियमितताओं की आशंका मजबूत हो रही है। फिलहाल जांच टीम अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही है। जिसे जल्द ही गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी और जरूरत पड़ने पर मामला मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तक भी पहुंच सकता है।

ऑटो-टैक्सी चालकों की मराठी अनिवार्यता पर शिवसेना में रार

आमने-सामने आए प्रताप सरनाईक और संजय निरुपम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की महायुति सरकार में मराठी भाषा की अनिवार्यता को लेकर एक बड़ा आंतरिक विवाद खड़ा हो गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा 1 मई (महाराष्ट्र दिवस) से रिक्शा, टैक्सी, ओला और उबर चालकों के लिए मराठी बोलना और उसकी परीक्षा देना अनिवार्य करने के फैसले का उनकी ही पार्टी के नेता संजय निरुपम ने कड़ा विरोध किया है। इस नीतिगत मतभेद ने सरकार के

गुणरत्न सदावर्त का कड़ा प्रहार

प्रसिद्ध वकील गुणरत्न सदावर्त ने भी इस कदम को असंवैधानिक बताया है। उन्होंने कहा कि 1 मई ‘मजदूर दिवस’ है, और इसी दिन मजदूरों (चालकों) के बीच भय का माहौल पैदा करना गैरकानूनी है। सदावर्त के अनुसार, भाषा संवार का माध्यम है, इसे दमन का हथियार बनाना संविधान के सिद्धांतों के विरुद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी नागरिक को भाषा के नाम पर प्रशासनिक उत्पीड़न का सामना नहीं करने दिया जाएगा।

सेक्सटॉर्शन और उगाही मामले में एक क्रिकेटर समेत 3 गिरफ्तार

पुलिस का बड़ा एक्शन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच ने सेक्सटॉर्शन और उगाही मामले में जम्मू-कश्मीर टी-20 लीग से जुड़ी एक महिला क्रिकेटर और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को नई दिल्ली के एक होटल से पकड़ा गया, जबकि उनके सहयोगी उद्दीन इमियाज वानी (22) को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरखंदा खान (30) और उसके भाई बाजिल खान (27) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, शिकायतकर्ता कोलाबा का रहने वाला 28 वर्षीय व्यवसायी है। वर्ष 2024 में पश्चिमी उपनगर में रहने के दौरान उसकी मुलाकात फरखंदा खान से हुई थी। मोबाइल चैट के जरिए दोनों के बीच परिचय बढ़ा, जिसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर उससे अश्लील बातचीत शुरू की। बाद में फरखंदा ने उसे अपने सहयोगी उद्दीन इमियाज वानी और भाई बाजिल खान से भी मिलवाया।

ब्लैकमेल कर 23.61 लाख रुपए कराए ट्रांसफर

पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2024 में फरखंदा ने आर्थिक जरूरत का हवाला देते हुए शिकायतकर्ता से पैसे मांगे। मना करने पर उसने निजी चैट सार्वजनिक करने की धमकी दी। दबाव में आकर शिकायतकर्ता ने 30 अप्रैल 2024 से 13 जनवरी 2026 के बीच 32 बैंक ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 23.61 लाख रुपए फरखंदा के खाते में ट्रांसफर किए।

जनवरी 2026 में आरोपियों 40 लाख रुपए कराए ट्रांसफर

जांच में सामने आया कि इस दरम का बड़ा हिस्सा उद्दीन इमियाज वानी के खाते में ट्रांसफर किया गया। वहीं कुछ रकम फरखंदा के पिता अब्दुल अजीज खान के बैंक खाते में भी भेजी गई। इसके अलावा वानी और बाजिल खान ने भी शिकायतकर्ता को उसकी चैट के स्क्रीनशॉट लाने का दावा करते हुए धमकाया और जेल भेजने की चेतावनी दी। इन धमकियों के चलते जनवरी 2026 में शिकायतकर्ता ने आरोपियों को अतिरिक्त 40 लाख रुपए और ट्रांसफर किए। जांच में यह भी पता चला कि इस मामले में पहली ट्रांजेक्शन अप्रैल 2024 में 20,000 रुपए की थी। फरखंदा खान दिल्ली एनसीआर के अंकर विहार इलाके की निवासी है, जबकि उद्दीन वानी जम्मू-कश्मीर के खलापुर और बाजिल खान नूरखाव गाँव के रहने वाले हैं।

पुलिस कर रही मामले में आगे की जांच

शिकायत के आधार पर वेस्ट रीजन साइबर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2), 308(6), 351(2), 351(3) और आईटी एक्ट की धारा 61(2) व 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

मां बनना चाहती हैं 53-55 साल की दो महिलाएं पहुंच गई हाईकोर्ट, जीत जाएंगी कानूनी लड़ाई ?

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

53 और 55 साल की दो विवाहित महिलाओं ने भारत में फर्टिलिटी (प्रजनन) ट्रीटमेंट से जुड़े एक कानून को वांछने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। इस कानून के तहत 50 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को बच्चा पैदा करने के लिए फर्टिलिटी ट्रीटमेंट लेने पर रोक है। इस मामले में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने इन महिलाओं को एक बड़ी और अहम राहत दी है, जिसके तहत उन्हें कम से कम अपना मेडिकल फिटनेस टेस्ट शुरू करने की अनुमति मिल गई है। आइए इस पूरी खबर और इसके कानूनी पहलुओं को विस्तार से समझते हैं।



व्या भारत में बच्चा पैदा करने की कोई उम्र सीमा है ?

हां। भारत के सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2021 के तहत फर्टिलिटी उपचार प्राप्त करने के लिए अधिकतम आयु सीमा तय की गई है। महिलाओं के लिए 50 वर्ष और पुरुषों के लिए 55 वर्ष आयु सीमा तय है। इस उम्र के बाद, कोई भी कानूनी रूप से फर्टिलिटी उपचार जैसे आईवीएफ या डोनर एग/स्पर्म का इस्तेमाल नहीं ले सकता है।

महिलाओं की दलील क्या है ?

इन दोनों याचिकाकर्ता महिलाओं का तर्क है कि एआरटी कानून के तहत तय की गई यह उम्र सीमा मनमानी और असंवैधानिक है। यह उनके मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। एक अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार, बृहवार को जस्टिस रवींद्र धुगे और जस्टिस अभय मंत्री की बॉम्बे हाई कोर्ट की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने महिलाओं को अंतरिम राहत देते हुए उन्हें अपना मेडिकल फिटनेस टेस्ट कराने की अनुमति दे दी है। यह इस दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहला कदम है।

हिंदमाता एंकरः लाडकी बहिन योजना ई-केवायसी अपडेट

30 अप्रैल तक कारएं ई-केवायसी, वरना बंद हो जाएंगे 1500

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की महायुति सरकार द्वारा शुरू की गई सबसे लोकप्रिय ‘मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना’ के लाभार्थियों के लिए एक बेहद जरूरी अलर्ट जारी किया गया है। यदि आप इस योजना के तहत मिलने वाले 1500 प्रति माह का लाभ जारी रखना चाहते हैं, तो आपको पास अपनी ई-केवायसी प्रक्रिया पूरी करने के लिए अब केवल 8 दिन का समय शेष है। सरकार ने इसके लिए 30 अप्रैल 2026 की अंतिम समय सीमा निर्धारित की है। इससे पहले यह डेडलाइन 31 मार्च थी, जिसे महिला एवं बाल विकास मंत्री अर्पिता इंदरकर ने बढ़ाकर अप्रैल अंत तक कर दिया था।



क्यों जरूरी है ई-केवायसी और सुधार ?

योजना के शुरूआती चरण में कई महिलाओं ने आवेदन भरते समय तकनीकी गलतियों की थीं या गलत वित्तीयों का चयन किया था। इन गलतियों के कारण हजारों पात्र महिलाओं का लाभ रुक गया है। 30 अप्रैल तक का यह समय उन महिलाओं के लिए ‘आखिरी मौका’ है, जो अपने फॉर्म में सुधार कर अपना रुका हुआ पैसा वापस पाना चाहती हैं। ई-केवायसी के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पैसा केवल उन्हीं महिलाओं तक पहुंचे जो वास्तव में इसकी पात्र हैं।

फर्जी लाभार्थियों पर सरकार का ‘हंटर’

महाराष्ट्र सरकार को जांच में पता चला है कि इस योजना का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हुआ है। जांच में ती तथ्य सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं, राज्य में लगभग 12,75,7 पुरुषों ने खुद को महिला बताकर इस योजना का लाभ लिया और सरकार को 22.96 करोड़ का घुना लगाया। कई ऐसे लोगों ने भी आवेदन किया जिनकी सालाना आय 2.5 लाख से अधिक है या जो सरकारी कर्मचारी हैं। ग्राम विकास विभाग ने जिला परिषदों के माध्यम से अपात्र महिलाओं से 50% राशि की वसूली शुरू कर दी है, लेकिन फर्जी ‘भाइयों’ से करोड़ों की वसूली कैसे होगी, इस पर अब भी सवाल बना हुआ है।



कि झिंगाबाई टकले क्षेत्र का निवासी है।

2 घंटे में लौटकर आने की बात कही थी

सदर पुलिस थाने के निरीक्षक राहुल तसरे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, राहुल साहू जिले के छवनी इलाके में हेप्पी होम के नाम से किराए पर होटल चलाता था। वह 20 अप्रैल की रात 7:30 बजे होटल के कर्मचारियों को 2 घंटे में लौटकर आने की बात कह कर दो पहिया वाहन से रवाना हुआ। इसके बाद से राहुल का कोई पता नहीं था। मृतक राहुल सुनील साहू की पत्नी गृहिणी है और उनकी दो बेटियां हैं। राहुल पहले मोबाइल शॉप चलाता था। यह धंदा बंद होने के बाद उसने नागपुर के सदर में हेप्पी स्टे नामक होटल किराए पर चलाने के लिए लिया था। पुलिस के अनुसार राहुल होटल के अलावा प्रॉपर्टी डीलर का भी काम करता था। राहगीरों ने नारा घाट के पास पीली नदी पर बने पुल के नीचे संदिग्ध बोरियां देखी। सूचना मिलते ही जरिफटका पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों की मदद से बोरियों को बाहर निकाला गया।

विचार प्रवाह



साख बनाने में बीस साल लगते हैं और उसे गंवाने में बस पांच मिनट। अगर आप इस बारे में सोचेंगे तो आप चीजें अलग तरह से करेंगे।

- वॉरेन बफे

संपादकीय

लू के थपेड़ों से जन-जीवन पर तपिश

एक वैश्विक संस्था एक्वआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्क की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अर्धघंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की इंट्यूटी का समय बढ़ाया गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौकों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं। आशंका जताई जा रही है कि इस सप्ताह दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रत्याशित गर्मी क्यों बढ़ रही है। दरअसल, अप्रैल माह में ग्री-मानसून हीट पीरियड के चलते जमीन पर पड़ने वाली तेज धूप गर्मी का एक कारण है। बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। फलतः वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा करके बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भी देन है। यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है। आशंका है कि भविष्य में तापमान में तीव्रता और बार-बार हीटवेव चलने की स्थिति बढ़ सकती है। हाल-फिलहाल मानसून से पहले की फुहारों के कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, जिसका मतलब है कि जल्दी बारिश न होने से इस माह के बाकी दिनों में भी हमें गर्मी की तपिश झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

आज का इतिहास



- 1982 -15 वर्षों के इजरायली आधिपत्य के बाद सिनाई प्राय:द्वीप क्षेत्र मिस्र को वापस।
- 1998-क्लोन भेड़ डोली द्वारा एक स्वस्थ मेमने बॉनी का जन्म।
- 2002 - अर्जेंटीना में बैंक अनिश्चित काल के लिए बंद।
- 2003 - तमिल विद्रोहियों का मानवीय मसलों पर होने वाली 17वें दैर (थाइलैंड) की वार्ता में भाग लेने से इन्कार।
- 2006-नेपाल में संसद बहाल।
- 2007-हमास ने इस्त्रायल पर हमला करके युद्ध विराम को तोड़ा।
- 2008 - नेपाल में नई सरकार का गठन करने जा रहे माओवादी नेता पुष्पकमल दहल उर्फ प्रचंड ने भारत व नेपाल के मध्य 1950 में हुई संधि को समाप्त करने की घोषणा की।
- 1945 - लेरी टेस्टर - अमेरिकी के एक कम्प्यूटर वैज्ञानिक थे।
- 1973 - प्रमोद सावंत - भारतीय राजनीतिज्ञ और गोवा के मुख्यमंत्री।
- 1973 - सचिन तेंदुलकर - भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी।
- 1956 - तीजनबाई - छत्तीसगढ़ राज्य की पहली महिला कलाकार और 'पण्डवानी' की 'कापालिक शैली' की गायिका।
- 1956 - शरद अरविंद बोबडे - भारत भूतपूर्व 47वें मुख्य न्यायाधीश रहे हैं।
- 1940 - अजीज कुरैशी, भोपाल) मिजोरम के पूर्व राज्यपाल थे।
- 1938 - मैक मोहन-हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता थे।
- 1934 - डी. जयकान्तन - प्रसिद्ध तेलुगु साहित्यकार थे।
- 1929 - शम्मी-भारतीय फिक्म अभिनेत्री हैं।
- 1928 - राजकुमार (दक्षिण भारतीय अभिनेता), प्रसिद्ध कन्नड़ अभिनेता
- 1909 - टीका राम पालीवाल-राजस्थान के भूपूर्व चौथे मुख्यमंत्री थे।
- 1908 - वायलेट अल्वा - भारतीय अधिवक्ता, पत्रकार और राजनीतिज्ञ थीं।
- 1888 - विष्णु राम मेधी - भारतीय राजनीतिज्ञ, स्वतंत्रता सेनानी और असम के दूसरे मुख्यमंत्री थे।
- 2022 - के. शंकरनारायणन - महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल थे।
- 2011 - सत्य साईं बाबा - आध्यात्मिक गुरु
- 2009 - महात्मा रामचन्द्र वीर - एक यशस्वी लेखक, कवि तथा ओजस्वी वक्ता।
- 1974 - हिन्दी कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'
- 1972 - जामिनी रॉय - भारत के प्रसिद्ध चित्रकार।
- 1960 - अन्ना साहब भोपटकर - प्रसिद्ध लेखक और सार्वजनिक कार्यकर्ता थे।
- 1944 - शिवप्रसाद गुप्त - हिन्दी के समाचार पत्र 'दैनिक आज' के संस्थापक और प्रसिद्ध क्रांतिकारी थे।
- 1934-सी. शंकरन नायर- भारतीय न्यायाधीश एवं राजनेता थे।

होर्मुज आपदा में भारत के लिए अवसर

संकट के बीच वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती संभावनाएं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम का विस्तार इस ओर संकेत करता है कि होर्मुज जलमार्ग का खुलना संभव है। वैसे यदि ऐसा हो जाता है तो भी पूर्ववर्ती व्यवस्था की वापसी संभव नहीं लगती। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले खाड़ी क्षेत्र की सामुद्रिक परिवहन व्यवस्था एक नाजुक धारणा पर टिकी

थी। करीब 130 जहाज रोजाना इस 33 किमी चौड़े संकरे जल मार्ग से बिना किसी बाधा के गुजरते थे, पर अब यह धारणा ध्वस्त हो चुकी है। आर्थिक दृष्टि से इसका अर्थ है कि होर्मुज के पुनः खुलने के बाद भी बीमा लागत ऊंची रह सकती है। शिपिंग कंपनियां इस मार्ग पर निर्भरता घटाने के लिए अपने मार्गों का पुनर्निर्धारण करने में लगी हैं।

भारत की उभरती भूमिका

इस उभरते परिदृश्य में भारत विशिष्ट रूप से सशक्त स्थिति में है। दशकों से भारत को मुख्यतः एक ऊर्जा-निर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में देखा गया है, जो एक बड़ी हद तक खाड़ी क्षेत्र के तेल एवं गैस पर निर्भर है। होर्मुज संकट ने इस सच को भी उजागर किया है कि भारत केवल खरीदार नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता भी है, विशेष रूप से खाद्य और आवश्यक वस्तुओं के मोर्चे पर। यह शक्ति संतुलन को सूक्ष्म, पर महत्वपूर्ण रूप से बदलने वाला पहलू है।

मुद्रा और आपूर्ति शृंखला में बदलाव

भारत और यूरोप के बीच स्थानीय मुद्राओं के माध्यम से व्यापार अब अमेरिकी डालर के बजाय रुपए और डिरहम में संभव है। इससे मुद्रा उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक वितीय जोखिमों का प्रभाव कम होता है। ऐसी सुविधा मौजूद संकट के समय और महत्वपूर्ण हो जाती है। होर्मुज संकट ने खाड़ी क्षेत्र की खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं की कमजोरियों को स्पष्ट कर दिया है। दशकों तक लचीलापन उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था, जबकि आज प्राथमिकता निर्णायक रूप से बदल गई है। खाड़ी की अर्थव्यवस्थाएं अब केवल सरसे आपूर्तिकर्ता की तलाश में नहीं हैं, बल्कि सबसे भरोसेमंद साझेदार को प्राथमिकता दे रही हैं।

बढ़ती मांग और भारत की क्षमता

यही वह बिंदु है, जहां भारत की भूमिका निर्णायक बन जाती है। यह संकट एक नई आपूर्ति शृंखला के विकास की परिस्थितियों को भी निर्मित कर रहा है। इस संभावित शृंखला के अंतर्गत जहां भारत एक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित होगा, वहीं खाड़ी क्षेत्र लाजिस्टिक्स हब और वितरण केंद्र के रूप में उभरेगा। इससे समूची आपूर्ति शृंखला का पुनर्संयोजन होगा, जिसमें लचीलेपन के साथ ही वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी एकीकृत होंगी। इस समय जैसी परिस्थितियां आकार ले रही हैं, उनमें खाद्य पदार्थों, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बड़े पैमाने पर मांग उत्पन्न होगी। भारत उन चुनिंदा देशों में से एक है, जो इस मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

रणनीतिक समन्वय की जरूरत

इस समय आपदा की जो स्थिति बनी हुई है, वह अवसर भी प्रदान करती है। इस समय खाड़ी देश दीर्घकालिक और विश्वसनीय आपूर्ति करने वाले साझेदारों की तलाश में हैं। भारत उनकी तलाश को पूरा करने में सक्षम है। अब आवश्यकता नई रणनीति बनाने की नहीं, बल्कि मौजूदा प्रणालियों को एक समन्वित, सरकारी समर्थित व्यापार गलियारे में एकीकृत करने की है, जो उत्पादन, वित्त, लाजिस्टिक्स और अंतरराष्ट्रीय वितरण को एक साथ जोड़ सके। हमें यह नहीं भूलना होगा कि वैश्विक व्यापार में संरचनात्मक परिवर्तन की गुंजाइश लंबे समय तक नहीं बनी रहती। अन्य देश भी आपूर्ति शृंखलाओं को दुरुस्त कर इन अवसरों का लाभ उठाने की दिशा में प्रयासरत होंगे। इसमें देरी करने का अर्थ होगा रणनीतिक अवसर को गंवा देना और ऐसे अवसर बार-बार नहीं मिलते। यह सही है कि होर्मुज ने संकट बढ़ाया है, लेकिन इसके साथ कुछ अवसरों की खिड़की भी खुली है। भारत को इस खिड़की का उपयोग कर वैश्विक व्यापार में विस्तार के हरसंभव प्रयास करने चाहिए।

आंखनदेखी

बेंगलुरु में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर शिक्षक और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस वर्ष की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' के संदेश के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संकल्प लिया गया।



रंग बदलती तमिलनाडु की राजनीति

● द्रविड़ दलों के बीच बदलते समीकरण और नए राजनीतिक विकल्प, द्विध्रुवीय राजनीति में नई चुनौती

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत का चुनावी परिदृश्य ऐसा है कि प्रमुख राज्यों में कम से कम एक राष्ट्रीय दल तो मुकाबले में होता है, लेकिन तमिलनाडु इस पैमाने पर बड़ा अपवाद है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस से लेकर वर्तमान में स्वयं को देश के सबसे बड़े दल के रूप में स्थापित कर चुकी भाजपा भी इस राज्य में केवल सहयोगी की भूमिका में है। सत्तारूढ़



द्रमुक और विपक्षी अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले खेमे ही यहां अपने-अपने सहयोगियों के साथ सत्ता के समीकरणों को साधने की जुगत में लगे हैं। करीब पांच दशकों से प्रदेश की दो ध्रुवीय हो चली राजनीति को अभिनेता से नेता बने विजय की नवगठित पार्टी तमिलगना वेन्नी कषमग यानी टीवीके त्रिकोणीय बनाने में जुटी है।

संगठनात्मक कमजोरियां

इसके कारणों की पड़ताल की जाए तो यह पार्टी मुख्य रूप से पारिवारिक नेतृत्व पर ही निर्भर रही है और इसमें कार्यकर्ताओं या संगठन की शक्ति पर कभी बहुत अधिक जोर नहीं दिया गया। दबे स्वरो में यह बात भी सामने आती है कि पार्टी की सत्ता के दौरान संगठन खासतौर से जिला स्तर के कार्यकर्ताओं की दबंगई और भ्रष्टाचार पार्टी के लिए घातक सिद्ध होता है। ऐसे में, प्रादेशिक नेतृत्व के प्रति जनता में भले ही उठना असंतोष न हो, लेकिन स्थानीय नेतृत्व की कारगुजारियों की कीमत पार्टी को चुकानी पड़ती रही है। हालांकि ऐसा नहीं है कि केवल द्रमुक ही ऐसी विसंगतियों से त्रस्त है, लेकिन पार्टी सत्ता विरोधी रुझान का अभी तक तो कोई कारगर तोड़ नहीं निकाल पाई है। तब देखना यही होगा कि क्या इस चुनाव में द्रमुक इस रुझान को धता बता पाती है या नहीं?

द्रविड़ दलों का खिंडन

द्रमुक अगर कभी दोबारा सत्ता में वापसी नहीं कर पाई तो इसका एक कारण यह भी गिनाया जा सकता है कि द्रविड़ राजनीति में तमाम दल उससे टूटकर ही निकले हैं। यहां तक कि अन्नाद्रमुक भी द्रमुक में विभाजन से बनी है। इस कड़ी में एमडीएमके से लेकर कई अन्य छोट-बड़े दलों के नाम भी हैं। स्पष्ट है कि इन दलों के अस्तित्व में आने के साथ ही द्रमुक का जनाधार भी घटा, क्योंकि नया आकार लेने वाला दल पुराने जनाधार की कीमत पर ही आगे बढ़ता है। इसमें जातीय एवं वर्गीय गोलबंदी और स्पष्ट रूप से सामने आती है। पार्टी का सामाजिक ढांचा भी कमजोर होता है, क्योंकि कुछ तबके उससे फिटक जाते हैं।

अन्नाद्रमुक में नेतृत्व संकट

अन्नाद्रमुक की बात करें तो पहले एमजी रामचंद्रन और फिर जयललिता के निधन से नेतृत्व के स्तर पर उपजी रिकतता से पार्टी लंबे समय तक नहीं उबर पाई। जबकि द्रमुक में पार्टी के पुरोधा एम. करुणानिधि ने अपने जीवनकाल में ही पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्णय करते हुए एमके स्टालिन को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। यहां तक कि द्रमुक में अगली पीढ़ी के नेतृत्व के लिए स्टालिन के पुत्र उदयनिधि को भी अभी से तैयार किया जा रहा है। वहीं, जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक में कई खेमों में बंट गई, जिसका राजनीतिक मोर्चे पर उसे नुकसान भी उठाना पड़ा। हालांकि समय के साथ यह स्थिति कुछ सुधरी है। जयललिता के बाद पार्टी और सरकार की कमान संभालने वाले ई. पत्तानीसामी को संगठन एवं सरकार दोनों के स्तर पर कमजोर आंका गया, लेकिन अब उन्होंने अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। वे अतुल्य धड़ों को साधने में सफल रहे हैं।

द्रमुक की चुनावी चुनौती

चूंकि द्रमुक न केवल सत्तारूढ़ दल, बल्कि द्रविड़ राजनीति की मूल पर्वतक पार्टी है, इसलिए सबसे पहले उसकी संभावनाओं पर चर्चा उपयोगी होगी। राज्य के राजनीतिक इतिहास पर दृष्टि डालें तो द्रविड़ राजनीति की वटवृक्ष होने के बावजूद द्रमुक कभी लगातार दो बार सत्ता में वापसी नहीं कर पाई है। जबकि अन्नाद्रमुक ने, पहले एमजी रामचंद्रन के नेतृत्व में 1977, 1980 और 1984 के चुनावों में लगातार तीन बार और फिर 1984 के जयललिता के दौर में 2011 और 2016 के चुनावों में लगातार जीत हासिल की। इसका सीधा अर्थ यही निकलता है कि द्रमुक अपने शासन में सत्ता विरोधी रुझान की काट नहीं कर पाती।

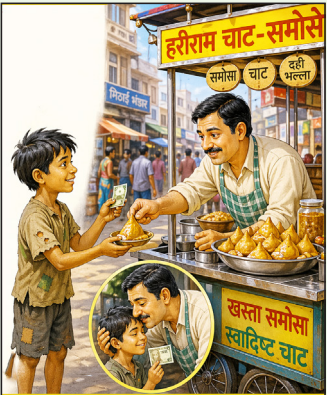
विजय और तीसरा विकल्प

राज्य की अगली सरकार का तानाबाना बहुत कुछ अभिनेता विजय की टीवीके के प्रदर्शन पर भी निर्भर करेगा। उन्हें लेकर जानकारों की राय बंटी हुई है। फिर भी, राज्य में दोनों दलों से निराश मतदाताओं को विजय में एक उम्मीद की किरण नजर आ रही है। उनकी अपील लगभग सभी वर्गों में है, लेकिन खासतौर से युवा, महिलाएं, धार्मिक अल्पसंख्यकों और निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों में उनके लिए अच्छा-खासा समर्थन देखा जा रहा है। देखना यह होगा कि यह समर्थन वोटों में कितना बदल पाता है, लेकिन अगर उनकी पार्टी 15 से 20 प्रतिशत तक मत हासिल करने में सफल हो जाती है तो राज्य के स्थापित दलों और उनके गठबंधन के गणित बिगड़ना तय है।

प्रेरक प्रसंग

ईमानदार रामू और लालची दुकानदार

शहर के बीचों-बीच एक व्यस्त बाजार में हरिराम का चाट-समोसे का ठेला था। उसके स्वादिष्ट समोसे दूर-दूर तक मशहूर थे, इसलिए उसके ठेले पर हमेशा भीड़ लगी रहती थी। लेकिन हरिराम की एक बुरी आदत थी-वह बहुत लालची था। वह जल्दी अमीर बनना चाहता था, इसलिए अक्सर ग्राहकों के साथ चालाकी करता था। कई बार वह पहले पैसे लेने के बाद भी ग्राहकों से दोबारा पैसे मांग लेता, और बात-बात पर झगड़ा करने लगता। मजबूरी में लोग उसकी बदतमीजी सह लेते, क्योंकि आसपास कोई और ठेला नहीं था। एक दिन हरिराम ने सुबह-सुबह ही अपना ठेला खोल लिया। उस दिन उसके घर खास मेहमान आने वाले थे-उसकी बेटी को देखने के लिए लड़के वाले आने वाले थे। सुबह से दोपहर तक उसने सौ रुपए कमा लिए। उसने पास की मिठाई की दुकान से सारे छुट्टे देकर एक सौ रुपए का नया नोट ले लिया। अब वह ठेला बद कर मेहमानों के लिए सामान लेने जाने हो वाला था कि तभी एक गरीब-सा लड़का, रामू, वहां आ पहुंचा। रामू ने दो रुपए का नोट देकर एक रुपए का समोसा लिया। हरिराम के हाथ में उस समय दिन भर की कमाई थी। जल्दबाजी में उसने रामू को समोसा देते समय गलती से सौ रुपए का नोट भी देने के साथ दे दिया। रामू को इसका पता नहीं चला। जब उसने अपना एक रुपया वापस मांगा, तो हरिराम गुस्से में बोला, 'एक रुपए का नोट देकर, एक और मांग रहा है! भाग यहां से, नहीं तो पुलिस बुलाऊंगा।' डांट सुनकर रामू डर गया और चुपचाप घर चला गया।



- उधर हरिराम जब सामान खरीदने पहुंचा, तो उसे पता चला कि उसके पास सौ रुपए का नोट नहीं है। वह घबरा गया। उसने जेब और थैले टटोले, लेकिन नोट कहीं नहीं मिला। वह दौड़ता हुआ वापस ठेले पर आया और हर जगह खोजने लगा, मगर उसे कुछ नहीं मिला। थक-हारकर वह चिंता में बैठ गया। तभी रामू वापस आया। हरिराम उसे देखते ही फिर चिल्लाने लगा, 'कहा ना, तुमने मुझे एक ही रुपया दिया था।' इस पर रामू ने शांत स्वर में सौ रुपए का नोट उसकी ओर बढ़ाते हुए कहा, 'अंकल, मैं अपने एक रुपए लेने नही आया हूँ।
- यह सौ रुपए आपको लौटाने आया हूँ, जो गलती से मेरे पास आ गया था। यह सुनकर हरिराम की आंखें शर्म से झुंक गईं। उसने रामू को एक रुपया लौटाया और भावुक होकर उसका माथा चूम लिया। उसने कहा, 'बेटा, अगर तुम भी मेरी तरह बेईमान होते, तो आज मेरी इज्जत मिट्टी में मिल जाती।' उसी क्षण हरिराम ने कसम खाई कि अब वह कभी किसी के साथ बेईमानी नहीं करेगा। उस दिन से हरिराम का व्यवहार बदल गया, और वह ईमानदारी से अपना काम करने लगा। सीख : ईमानदारी सबसे बड़ी पूजी होती है।

राशिफल

- मेघ- आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें।
- वृषभ-परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।
- मिथुन-भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जल्दबाजी न करें।
- कर्क- जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा।
- सिंह- आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग है। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे।
- कन्या- नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटक के काम पूरे होने के योग है। भरपूर प्रयास करें। आय में मনोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा।
- तुला-प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिबद्धिता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।
- वृश्चिक- यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।
- धनु- नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आए।
- मकर- निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है।
- कुंभ- सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। परिवार में मनमुटाव हो सकता है।
- मीन-थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेगे। धनहानि हो सकती है।

एसआईआर के नफा-नुकसान भांप रही मायावती

बसपा नई रणनीति से तय कर रही कैंडिडेट

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की हलचल तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव मिशन-2027 का विगुल फूंक चुके हैं और एक के बाद एक चुनावी घोषणाएं भी शुरू कर दी है। बीजेपी भी सत्ता की हैट्टिक लगाने के लिए हरसंभव कोशिश में जुटी है और सीएम योगी भी सड़क पर उतरकर सपा-कांग्रेस को महिला विरोधी कठघरे में खड़े करने में जुटे हैं। सपा और बीजेपी के बीच सिमटती युपी को सियासत को बसपा प्रमुख मायावती त्रिकोणीय बनाने की कवायद में है, जिसके लिए पार्टी नेताओं के साथ लगातार बैठकें भी कर रही हैं। मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अपने संभावित उम्मीदवारों के नाम का ऐलान भी शुरू कर दिया था, लेकिन अब एसआईआर प्रक्रिया के बाद उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। 2027 का चुनाव बसपा के लिए सियासी वजुद को बचाए रखने का है। यही वजह है कि मायावती सुबे में हुई एसआईआर अभियान से हुए फायदे और नुकसान का आकलन कर रही है, उसके लिहाज से पार्टी उम्मीदवारों का सेलेक्शन करेगी। इसके लिए मायावती ने काम भी शुरू कर दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि मायावती क्या बसपा को दोबारा से खड़ा कर पाएंगी ?



बसपा कैंडिडेट सेलेक्शन में जुटी मायावती

मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चुनावी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। मायावती के नेतृत्व में बसपा अपनी पुरानी सोशल इंजीनियरिंग को फिर से अपनाने की कोशिश में है। बसपा ने 2027 के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान शुरू कर दिया था। सुबे की 40-50 सीटों पर बसपा ने विधानसभा प्रभारी बनाकर संभावित उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने की हरी झंडी दे दी थी, लेकिन एसआईआर प्रक्रिया के बाद उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। युपी में हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से हुए फायदे-नुकसान का बसपा आकलन कर रही है। मायावती ने पिछले दिनों अपने 15 हजार बृथ कमेटियों से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

एसआईआर के लिहाज से कैंडिडेट का चयन

बसपा के एक बड़े नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पिछले दिनों लखनऊ में हुई बैठक में मायावती ने बृथ कमेटियों से रिपोर्ट मांगी है। एसआईआर अभियान में जिन पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई, उन्हें टिकट चयन में तवज्जी दी जाएगी। खासकर जिलों में जिन संभावित प्रत्याशियों को प्रभारी बनाया गया था, उनके बारे में रिपोर्ट मिलने के बाद उनकी दावेदारी पर फैसला लिया जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती खुद इस मामले की गहनता से समीक्षा कर रही हैं।

गाजीपुर में नाबालिग की हत्या से तनाव, मिलने गए सपा डेलिगेशन पर पथराव

पूर्व मंत्री समेत कई घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजीपुर उत्तर प्रदेश में गाजीपुर के करंडा इलाके में एक नाबालिग बेटी का बलात्कार और फिर हत्या के बाद शव गंगा नदी में फेंकने का मामला सामने आया था। आज समाजवादी पार्टी का डेलिगेशन नाबालिक बेटी की मौत के बाद परिवार से मिलने और उन्हें आर्थिक मदद करने के लिए पहुंचा था। इस दौरान समाजवादी पार्टी के डेलिगेशन पर पथराव किया गया। डेलिगेशन को गांव के रास्ते में ही रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान घरना पर बैठने और पीड़ित परिवार से मिलने के दौरान हंगामा भी देखने को मिला। इस दौरान गांववालों ने सपा डेलिगेशन पर पथराव कर दिया। देखते ही देखते दोनों तरफ से हमले होने लगे।

अखिलेश यादव ने क्या कहा?

वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के अराजक तत्व अब पुलिस पर भी सीधे हमला कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें मालूम है कि अहकारी भाजपा सरकार ही उनकी संरक्षक है। अब क्या पुलिस भी पीड़ित कहलाएगी? अगर ऐसा है तो हम कहेंगे PDA में P से एक और वर्ग जुड़ गया है और वो है पीड़ित पुलिस।



सपा सांसद ने जताई नाराजगी

6 साल की निशा विश्वकर्मा के साथ बलात्कार फिर हत्या और हत्या करने के बाद उसे गंगा नदी में फेंकना। यह सब पूरा वाक्या सुनने के बाद दिल दहल जाता है। पुलिस अधीक्षक और जिला प्रशासन पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदले जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हमारे साथी ने बताया कि यहां के कप्तान का बयान आ रहा है की जो व्यक्ति मार खाए हैं और घायल हुए हैं उन्हें पर कार्रवाई किया जा रही है। ऐसे में हहा का ऐसपी जिसके कंधे पर उत्तर प्रदेश सरकार का अशोक चक्र लगा हुआ है, उसे हटा दिया जाए।

23 साल की लड़की ने सरिया लेकर मां और भाई को बेरहमी से मार डाला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुरादाबाद यूपी के मुरादाबाद में बुधवार को शाम एक खौफनाक घटना सामने आई। यहां एक युवती ने अपनी मां और भाई को मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद गांव में सननाटा पसर गया और लोग स्तब्ध रह गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जुट गए। अचानक हुई इस हिंसक वारदात ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। वारदात कांठ थाना क्षेत्र स्थित बैसली जमालपुर उर्फ गदापुर गांव में बुधवार शाम करीब 7 बजे हुई। गांव के चौकीदार रघुवीर को जब इस डबल मर्डर का पता चला तो रात करीब 8 बजे कांठ थाने में सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जो मंजर सामने आया, वह बेहद भयावह था। घर के आंगन में मां और बेटे के शव खून से लथपथ पड़े थे। मृतकों की पहचान मुन्नी देवी और उनके बेटे राजीव के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस वारदात को अंजाम देने वाली घर की ही 23 साल की बेटी अनीता है। पुलिस का कहना है कि अनीता ने लोहे की सरियों और पशुओं के खूंटे से अपनी मां और भाई पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के पीछे पारिवारिक विवाद को वजह माना जा रहा है, हालांकि परिजन यह भी दावा कर रहे हैं कि अनीता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। बताया जा रहा है कि परिवार पहले से ही आर्थिक और सामाजिक दवावों से जूझ रहा था, और अनीता के व्यवहार को लेकर भी घर में अक्सर तनाव बना रहता था। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि आरोपी युवती को हिरासत में ले लिया गया है। उसके बड़े भाई की तहरीर के आधार पर उसके खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एएसपी ने यह भी बताया कि आरोपी युवती का मेडिकल कराया जाएगा, ताकि उसकी मानसिक स्थिति के बारे में पता चल सके। फिलहाल पुलिस इस मामले को गहन जांच कर रही है।

हिंदमाता एंकर: घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार होने के बजाए घर में ही मौजूद रहा और करीब सात घंटे तक पत्नी के शव के पास बैठा रहा

पत्नी का फिट रहना पति को नहीं था पसंद, जिम से लौटी तो कर दी हत्या, 7 घंटे शव के पास बैठा रहा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुरादाबाद यूपी के मुरादाबाद जिले में एक सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पति के अपनी पत्नी का फिट रहना पसंद नहीं आया और जिम से लौटते की लाहे के राड से वाकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी है। वारदात के अंजाम देने के बाद आरोपी पति करीब 7 घंटे तक शव के पास बैठा रहा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। घटना जिले के कटघर थाना क्षेत्र के डबल फाटक इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, स्क्रेप कारोबारी शोभित गुप्ता ने अपनी पत्नी पुनम गुप्ता की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि वह जिम जाती थी। बताया जाता है कि पुनम के जिम जाने को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। गुरुवार सुबह जब पुनम जिम से घर लौटी, तो दोनों के बीच फिर से कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुप्से में आकर शोभित ने शटर खोलने वाले लोहे के भारी हैंडल से पुनम के निर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पुनम की मौके पर ही मौत हो गई।

7 घंटे तक शव के पास बैठा रहा आरोपी पति घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार होने के बजाए घर में ही मौजूद रहा और करीब सात घंटे तक पत्नी के शव के पास बैठा रहा। इस दौरान दोपहर में उसकी मासूम बेटी स्कूल से घर लौटी और मां के बारे में पूछ, तो आरोपी ने उसे बहालाकर दूसरे कमरे में भेज दिया। शाम होते ही शोभित ने खुद पत्नी के घायल होने की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी।



लगा। पुलिस ने तुरंत शोभित को हिरासत में लेकर पुछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऐसे खुला राज

आरोपी ने पत्नी के घायल होने की सूचना लेकर मामले को हादसा बनाने की कोशिश की, जब डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची तो बंड पर महिला का शव पड़ा मिला, जिससे पुलिस को मामला संदिग्ध

मृतका के परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

मामले में नया मोड़ तब आया जब मृतका के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए। मृतका के भाई ने दावा किया कि यह सिर्फ जिम जाने का विवाद नहीं था, बल्कि उसे लंबे समय से ससुराल में प्रताड़ित किया जा रहा था। उसने आरोप लगाया कि पहले भी बहन को मारने की कोशिश की गई थी। उसे कांच का पाउडर खिलाकर मारने की कोशिश की गई थी, जिससे उसकी जीब और गाल कट गए थे। परिजनों का दावा है कि शोभित के साथ उसके भाई और परिवार के अन्य सदस्य भी इस साजिश में शामिल हैं। भाई ने पुलिस से गुहार लगाई है कि उनकी बहन को इसाफ मिले और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। वहीं एस्पी सिटी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी पति को गिरफ्तार किया गया है।

कानपुर में ऑनलाइन IPL सट्टा गैंग का भंडाफोड़

3.91 करोड़ बरामद, 5 आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने ऑनलाइन IPL सट्टेबाजी के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मौके से 3 करोड़ 91 लाख 50 हजार नकद बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का मुख्य सरगना अब भी फरार है। मामले में पुलिस के साथ आयकर विभाग की कार्रवाई भी जारी है।

भारी मात्रा में नकदी और उपकरण बरामद

मौके से भारी मात्रा में नकदी, मोबाइल फोन और सट्टेबाजी से जुड़े उपकरण बरामद किए गए। गिनती में कुल 3,91,50,000 नकद मिला। इससे स्पष्ट होता है कि गिरोह लंबे समय से सुनियोजित तरीके से अवैध सट्टेबाजी चला रहा था।

मुखबि की सूचना पर घेराबंदी

संत नगर चौराहे पर चेकिंग के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गोविंद नगर पुल के नीचे एक सफेद सोलैट कार में बैठे दो युवक मोबाइल ऐप के जरिए IPL मैचों पर बड़े स्तर पर सट्टा चला रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दबिश दी और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मोबाइल डेटा से खुला नेटवर्क

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कार्तिक लखवानी और राजकुमार के रूप में हुई। उनके मोबाइल फोन की जांच में सट्टेबाजी से जुड़े ऐप, वेबसाइट, हार्डवायर डेट और लेन-देन के विस्तृत रिकॉर्ड मिले, जिससे उनके अवैध नेटवर्क का खुलासा हुआ। पुछताछ में दोनों ने बताया कि उनके अन्य साथी किवर्दई नगर स्थित एक किराए के मकान से बड़े पैमाने पर सट्टा संचालन कर रहे हैं।

सरगना फरार, महाराष्ट्र से अप्परेट हो रहा था नेटवर्क

पुलिस के मुताबिक, गिरोह का मुख्य सरगना मनीष उर्बे 'प्रोफेसर' है, जो महाराष्ट्र से 'Bet Hub 24' नामक मोबाइल ऐप के जरिए पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। आरोपी एक लाख रुपये तक की रकम ऑनलाइन ट्रांसाक्चर करते थे, जबकि इससे अधिक का लेन-देन नकद में किया जाता था। इस काम के लिए युवकों को 13 से 20 हजार रुपये मासिक वेतन पर रखा गया था।



किदवई नगर में दूसरी दबिश, तीन और गिरफ्तार

सूचना के आधार पर पुलिस ने विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए किदवई नगर में छापा मारा। वहां तीन अन्य आरोपी- कल्पेश, रवि नाई और विष्णु (सभी निवासी गुजरात) - मोबाइल फोन के जरिए सट्टा संचालन करते पकड़े गए। पुलिस को देखकर वे साक्ष्य छिपाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी फर्म बनाई और कर डाला 1.3 करोड़ का खेल

लखनऊ में GST फ्रॉड की कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

लखनऊ में जीएसटी चोरी की ऐसी कहानी सामने आई है, जो हैरान कर देने वाली है। यहां फ्राइम ब्रांच और रहीमाबाद पुलिस से मिलकर एक गैंग को पकड़ा है। यह पूरा रैकट फर्जी कंपनियां बनाता था और करोड़ों रुपये का लेनदेन दिखाकर टेक्ससी चोरी करता था। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस फर्जीवाड़े के जरिए अब तक कितने बड़े स्तर पर टेक्स चोरी की गई है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, यह गैंग बेहद सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था। आरोपी पहले गरीब और जरूरतमंद लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। उन्हें पैसों का लालच देकर उनके जरूरी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता डिटेल, मोबाइल नंबर आदि हासिल कर लिए जाते थे। इसके बाद इन दस्तावेजों के आधार पर फर्जी किरायानामा और बिजली बिल तैयार किए जाते थे। इन नकली कागजातों के जरिए जीएसटी फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया जाता था। यानी कागजों में कंपनियां पूरी तरह वैध दिखाई देती थीं, लेकिन असल में उनका कोई वास्तविक कारोबार नहीं होता था। इन फर्जी फर्मों के माध्यम से आरोपी करोड़ों रुपये का बेगस कारोबार दिखाते थे। खास तौर पर यह गिरोह फर्जी इनवॉइस बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (IIC) बेचता था। यानी बिना किसी असली लेनदेन के टेक्स का फायदा दूसरे लोगों को अवैध तरीके से पहुंचाया जा रहा था। इसके बदले आरोपी मोटा कमीशन लेते थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि लेनदेन को असली दिखाने के लिए फर्मी ई-वे बिल भी बनाए जाते थे। इससे कागजों में सब कुछ सही नजर आता था और लंबे समय तक यह गड़बड़ी पकड़ी नहीं जा सकी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रविंद्र गिरि को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पुछताछ की जा रही है, ताकि इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस को शक है कि इस गिरोह में कई और लोग शामिल हो सकते हैं और इसका नेटवर्क अन्य शहरों तक भी फैला हो सकता है। तकनीकी जांच और निगरानी के जरिए पुलिस ने इस पूरे फर्जीवाड़े की कड़ियों को जोड़ा और आखिरकार गिरोह का भंडाफोड़ किया। अपर पुलिस उपायुक्त (अपरान्त) किरन यादव ने बताया कि इस पूरे मामले में आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।



शॉर्ट स्टोरी

चोर के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या, गिरफ्तारी के दौरान पुलिस गाड़ी पर हमला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक खौफनाक घटना सामने आई है, जहां चोर होने के शक में एक युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना सरेया थाना क्षेत्र के मरवापाकर गांव की बताई जा रही है। मृतक की पहचान मोतीपुर थाना क्षेत्र के मोरसांडी निवासी राहुल कुमार साह (25) के रूप में हुई है। बताया गया कि राहुल अपनी बहन के घर मरवापाकर आया हुआ था। मंगलवार की रात खाना खाने के बाद वह टहलने निकला, लेकिन रास्ता भटककर दूसरे टोले में पहुंच गया। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे चोर समझ लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। गंभीर रूप से घायल राहुल को पहले सरेया पीपवसी में भर्ती कराया गया, जहां से हालत बिगड़ने पर उसे एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चला मच गया। मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने जब को सड़क पर उखरकर जोरदार हंगामा किया, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। स्थिति बिगड़ते देख मौके पर प्रशिक्षु आईपीएस प्रवन्ना कुमार पम्दी, एडमीट्रम पश्चिमी आकांक्षा आनंद और डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी समेत कई थाने की पुलिस टीम पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने और हालात नियंत्रित करने के लिए काफी श्रमकृत की। इसके बाद पूरे गांव को पुलिस सरेया में तब्दील कर दिया गया। प्रशासन की मौजूदगी में हालात पर थोड़े-थोरे काबू पाया गया। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। घटना के बीच एक और चौकाने वाली वीडियो सामने आया है।

घर से दूध लेने गई थी 10 साल की मासूम, अगले दिन मिला शव

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना बिहार की राजधानी पटना में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई

है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। बाईपास थाना क्षेत्र के बाहरी बेगमपुर सती चौरा के पास गुरुवार सुबह 10 सात की एक छात्रा का शव गली में कंबल में लिपटा हुआ मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए और इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार बच्ची बुधवार सुबह स्कूल इस में घर से निकली थी। वह पास में ही दूध देने गई थी और इसके बाद उसे स्कूल जाना था, लेकिन न तो वह स्कूल पहुंची और न ही घर वापस लौटी। देर होने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना देकर गमशुद्दी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने उसी दिन शाम से ही बच्ची की तलाश शुरू कर दी थी। करीब 24 घंटे बाद गुरुवार सुबह बच्ची का शव संदिग्ध हालत में बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव पर चोटों के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि बच्ची की आखिरी लोकेशन और आरोपियों का सुराग मिल सके। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है। बच्ची के पिता ने कहा कि उनकी बेटी रोज़ की तरह दूध देने निकली थी, लेकिन उन्हें नहीं पता कि कौन उसे बहकाकर ले गया। उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है।

रसगुल्ला खिलाकर अपने नाम करवा ली जमीन, CM के दरबार में पहुंचा पीड़ित

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना बिहार में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बुजुर्ग ने आरोप

लगाया है कि उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर उनकी जमीन हड़प ली गई। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब मधेपुरा जिले के मुरलीगंज निवासी 76 वर्षीय जगदीश मुखिया ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के जनात दरबार में पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। जगदीश मुखिया ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि कुछ भू-माफियाओं ने उन्हें पेशान बढ़ाने का झांसा देकर जिला मुख्यालय ले गए और वहां बोखे से जमीन की रॉस्टरी अपने नाम करवा ली। पीड़ित के अनुसार, इस मामले में मुरलीगंज थाना में नामजद प्राथमिकी भी दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन वह तब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि वह पहले भी सीओ, डीसीएलओ, एस्पी और डीएम सहित कई अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन हर जगह निराशा ही हाथ लगी। पीड़ित की बहू पूजा कुमारी ने आरोप लगाया कि उनके ससुर को रसगुल्ले में नशीला पदार्थ मिलाकर खिलाया गया, जिसके बाद उनसे जमीन के कागजात पर हस्ताक्षर करवा लिए गए। उनका कहना है कि बार-बार प्रशासन से गुहार लगाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके चलते उन्हें मजबूर होकर मुख्यमंत्री के जनात दरबार का दरवाजा खटखटाना पड़ा। मुख्यमंत्री द्वारा इस पूरे मामले में तुरंत जांच के आदेश दिए जाने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। स्थानीय स्तर पर भी इस घटना को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं पीड़ित का कहना है कि अब उन्हें केवल मुख्यमंत्री से ही न्याय मिलने की उम्मीद है। वहीं स्थानीय अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में जो भी सीधे होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उधर जंग में उलझी दुनिया,इधर भारत धड़ाधड़ कर रहा डील

अब न्यूजीलैंड से होगा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट,समझिए फायदे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
एक तरफ मिडिल ईस्ट में चल रही जंग से पूरी दुनिया परेशान है। तेल-गैस की सप्लाई ठप पड़ी है। महंगाई बढ़ रही है। दूसरी तरफ भारत इस पूरे घटनाक्रम के बीच अपने व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास में जुटा है। हाल ही में साउथ कोरिया के राष्ट्रपति भारत दौर पर आए और दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए। इसके बाद रक्षा राजनाथ सिंह ने जर्मनी जाकर डील साइन की। इससे पहले यूरोपियन यूनियन से भारत की मेगा डील हो चुकी है और अमेरिका से भी बातचीत अंतिम दौर में है। इस बीच न्यूजीलैंड से साथ ट्रेड पेक्ट का इंतजार खत्म हो गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार (27 अप्रैल) को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन होने जा रहे हैं। दोनों देशों के रिश्तों में ये एक ऐतिहासिक मोड़ है, क्योंकि इस एग्रीमेंट का लंबे समय से इंतजार था। व्यापार के रास्ते खुलने से जहां न्यूजीलैंड के सामान को भारतीय बाजार मिलेगा वहीं भारत को भी इससे कई तरह के लाभ पहुंचेंगे। मार्च 2025 में, न्यूजीलैंड और भारत ने एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत शुरू करने की घोषणा की थी। रविवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने घोषणा की कि भारत और न्यूजीलैंड अगले सप्ताह एक बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर साइन करने जा रहे हैं, जो द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते को एक महत्वपूर्ण आर्थिक सफलता बताते हुए प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा कि इससे न्यूजीलैंड के निर्यातकों को भारत के 140 करोड़ उपभोक्ताओं के विशाल बाजार तक पहुंच मिलेगी। उन्होंने समझौते के राजनीतिक और आर्थिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह एक लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को पूरा करता है। हालांकि, न्यूजीलैंड सरकार में शामिल कुछ सदस्य इस डील को नकारात्मक रूप में देख रहे हैं, लेकिन वहां के विपक्षी दलों ने भी भारत से समझौते का स्वागत किया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच FTA को आर्थिक रिश्तों में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यह समझौता व्यापार, निवेश, सेवाओं और कृषि सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड भारत को ऊन, लोहा और इस्पात, एल्युमीनियम, फल और मेवे, लकड़ी का गुदा और पुनर्चक्रित कागज सहित कई प्रकार की चीजें निर्यात करता है। जबकि भारत से फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी, बहुमूल्य धातुएं और पत्थर, टेक्सटाइल समेत कई प्रकार की वस्तुएं आयात करता है।

भारत की एक और ट्रेड डील



भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार (27 अप्रैल) को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन होने जा रहे हैं। दोनों देशों के रिश्तों में ये एक ऐतिहासिक मोड़ है, क्योंकि इस एग्रीमेंट का लंबे समय से इंतजार था। व्यापार के रास्ते खुलने से जहां न्यूजीलैंड के सामान को भारतीय बाजार मिलेगा वहीं भारत को भी इससे कई तरह के लाभ पहुंचेंगे। मार्च 2025 में, न्यूजीलैंड और भारत ने एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत शुरू करने की घोषणा की थी। रविवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने घोषणा की कि भारत और न्यूजीलैंड अगले सप्ताह एक बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर साइन करने जा रहे हैं, जो द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते को एक महत्वपूर्ण आर्थिक सफलता बताते हुए प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा कि इससे न्यूजीलैंड के निर्यातकों को भारत के 140 करोड़ उपभोक्ताओं के विशाल बाजार तक पहुंच मिलेगी। उन्होंने समझौते के राजनीतिक और आर्थिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह एक लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को पूरा करता है। हालांकि, न्यूजीलैंड सरकार में शामिल कुछ सदस्य इस डील को नकारात्मक रूप में देख रहे हैं, लेकिन वहां के विपक्षी दलों ने भी भारत से समझौते का स्वागत किया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच FTA को आर्थिक रिश्तों में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यह समझौता व्यापार, निवेश, सेवाओं और कृषि सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड भारत को ऊन, लोहा और इस्पात, एल्युमीनियम, फल और मेवे, लकड़ी का गुदा और पुनर्चक्रित कागज सहित कई प्रकार की चीजें निर्यात करता है। जबकि भारत से फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी, बहुमूल्य धातुएं और पत्थर, टेक्सटाइल समेत कई प्रकार की वस्तुएं आयात करता है।

ट्रेड डील से भारत के लिए संभावित लाभ

- आईटी और सेवाओं में अवसर : भारतीय आईटी कंपनियों और प्रोफेशनल सेवाओं को न्यूजीलैंड में आसान प्रवेश मिल सकता है, जिससे सेवा निर्यात बढ़ेगा।
- फार्मास्यूटिकल्स और टेक्सटाइल्स : भारतीय दवाइयों और कपड़ा उद्योग को राहत मिलने की संभावना
- युवाओं को अवसर : भारतीय युवाओं को न्यूजीलैंड में पढ़ाई करने और जॉब करने के अवसर बढ़ेंगे
- कृषि और फूड प्रोसेसिंग निर्यात में भी बढ़ोतरी की संभावना है

US अड़ंगा लगाता रह गया,ईरान ने होर्मुज पर टोल से की बंपर कमाई

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान
स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ईरान ने कमाई का जरिया बना लिया है। होर्मुज से हुई पहली कमाई ईरान के सेंट्रल बैंक तक पहुंच गई है। ईरानी संसद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि सरकार को होर्मुज स्ट्रेट पर लगाए गए टोल से पहली कमाई मिल गई है। यह टोल ईरान ने अमेरिका और

इजरायल के साथ अपने युद्ध के दौरान इस रणनीतिक जलमार्ग पर लगाया था। इससे पहले होर्मुज से होकर गुजरने पर कोई टोल नहीं लगाता था। इस कमाई के साथ अब आधिकारिक हो गया है कि ईरान होर्मुज से होकर गुजरने वाले जहाजों से टोल टेक्स वसूल रहा है। तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार संसद के उपाध्यक्ष हमीदरेजा हाजीबाबाएई ने कहा,होर्मुज स्ट्रेट के टोल से मिली पहली कमाई सेंट्रल बैंक के खाते में जमा कर दी गई है। ईरान के अन्य मीडिया संस्थानों ने भी इस बयान को प्रकाशित किया है, लेकिन इसके बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

कितना टोल वसूला,किससे वसूला?

कुछ मीडिया रिपोर्टों में खबर आई थी कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग के लिए ईरान की योजनाओं में हर जहाज को लगभग 2 मिलियन डॉलर यानी कि 18 करोड़ रुपये का ट्रांजिट शुल्क मांगने का अधिकार भी शामिल है। ईरानी नेता ने यह नहीं बताया गया है कि ईरान ने किन किन जहाजों से टोल वसूला है और वसूली गई टोल की रकम कुल कितनी है। मौजूदा सीजफायर से पहले तेहरान ने कहा था कि उसने इस रास्ते से गुजरने की इजाजत को उन देशों तक सीमित कर दिया है जिन्हें वह रदोस्तर देश कहता है और इस स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलनी है भी बात चल रही थी। लेकिन उस समय इस बारे में कोई साफ़ नई गई थी कि ईरान इस रास्ते से गुजरने के लिए कितनी फीस ले रहा था, या ले भी रहा था या नहीं। उदाहरण के लिए मार्च के आखिर में भारत में ईरान के दूतावासों ने इस रास्ते को खारिज कर दिया था कि तेहरान जहाजों से इस रास्ते से गुजरने के लिए 2 मिलियन डॉलर वसूल रहा था।

सारे नियम ईरान तय करता है

BBC के अनुसार गुरुवार को एक और सीनियर ईरानी सांसद अलीरेजा सलीमी ने तसनीम से कहा, मैंने भरोसेमंद सूत्रों से सुना है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से फीस वसूली है। सांसद अलीरेजा सलीमी ने कहा, इम्रान से हर जहाज से वसूली गई रकम और फीस, जहाज के प्रकार, उसमें लेदें मात की मात्रा और उससे जुड़े जोखिम के स्तर के आधार पर अलग-अलग होती है और ईरान ही यह तय करता है कि ये फीस कैसे और किस हद तक वसूली जाएगी। नियम हम ही तय करते हैं।

टोल के खिलाफ हैं राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही उन जहाजों को धमकी दी है जो होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल करने के लिए ईरान को टोल देते हैं। 12 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑनलाइन पोस्ट किया कि उन्होंने अमेरिकी नौसेना को निर्देश दिया है कि वे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हर उस जहाज को खोजें और रोकें जिसने ईरान को कोई टोल चुकाया है। उस समय उन्होंने कहा था, जो कोई भी गैर-कानूनी टोल चुकाएगा उसे खुले समुद्र में सुरक्षित रास्ता नहीं मिलेगा। कुछ दिन पहले ट्रंप ने यह भी सुझाव दिया था कि अमेरिका और ईरान इस स्ट्रेट पर एक संयुक्त उद्यम के तौर पर शुल्क लगा सकते हैं।

हिंदमाता एंकर

ईरान के सस्ते ड्रोन और कूज मिसाइलों के सामने अमेरिकी डिफेंस सिस्टम पर ज्यादा दबाव पड़ा है। थाइ सिस्टम के 360 में से 190-290 इंटरसेप्टर इस्तेमाल हो चुके हैं,यानी अब करीब 70 ही बचे हैं

जंग को लंबी खींच रहा ईरान,जानें- अमेरिका के पास अब बचे कितने हथियार

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन
ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच सीजफायर पर अंशका के बादल छाये हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बिना किसी तय समझौता के सीजफायर बढ़ा दिया है और कहा है कि यह तब तक जारी रहेगा जब तक तेहरान 'एकजुट प्रस्ताव' पेश नहीं करता। लेकिन इस बीच अमेरिका की ओर से जारी नाकेबंदी को ईरान ने 'जंग जैसा कदम' बताया है, जिससे टकराव का खतरा बरकरार है। 50 से ज्यादा दिनों तक खिंच चुके इस संघर्ष का असर अब साफ दिखने लगा है। जहां ईरान की सैन्य क्षमता कमजोर हुई है, वहीं अमेरिकी हथियार भंडार पर भी भारी दबाव पड़ रहा है। वाशिंगटन स्थित रणनीतिक और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका अब तक अपने करीब 45% प्रिसीजन स्ट्राइक मिसाइल, 60% से ज्यादा थाइ इंटरसेप्टर और लगभग 50% पैट्रियट पक्य डिफेंस सिस्टम इस्तेमाल कर चुका है।

अमेरिका ने कितनी सैन्य ताकत झोंकी?

CSIS के विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास अभी भी मौजूदा युद्ध को जारी रखने के लिए पर्याप्त मिसाइलें हैं, लेकिन असली चिंता भविष्य के संघर्षों को लेकर है। इस विश्लेषण में सटीक प्रमुख हथियारों पर फोकस किया गया है- टॉमहॉक कूज मिसाइल, JASSM, थाइ-पैट्रियट (PAC-3), SM-3 और SM-6. टॉमहॉक मिसाइल की बात करें तो युद्ध से पहले इनके करीब 3100 युनिट थे, जिनमें से 850 से ज्यादा इस्तेमाल हो चुके हैं। हर मिसाइल की कीमत करीब 2.6 मिलियन डॉलर है और इन्हें दोबारा बनाने में करीब 47 महीने लगते हैं। ये लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाली मिसाइलें हैं, जिन्हें अमेरिकी नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों से दमाा जाता है।



इंटरसेप्टर इस्तेमाल हो चुके हैं, यानी अब करीब 70 ही बचे हैं। हर इंटरसेप्टर की कीमत करीब 15.5 मिलियन डॉलर है और इन्हें दोबारा तैयार करने में 53 महीने लग सकते हैं। वहीं पैट्रियट (PAC-3) सिस्टम की भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ है। 2330 के स्टॉक में से 1060 से 1430 मिसाइलें इस्तेमाल हो चुकी हैं। हर मिसाइल की कीमत करीब 3.9 मिलियन डॉलर है। हालांकि इनका उत्पादन समय 42 महीने है, लेकिन फिर भी भंडार भरना आसान नहीं होगा। थाइ और पैट्रियट मिलकर अमेरिका का 'लेयर्ड डिफेंस' सिस्टम बनाते हैं-जहां थाइ ऊंचाई पर हमलों को रोकता है, वहीं पैट्रियट अंतिम रक्षा पंक्ति के रूप में काम करता है।

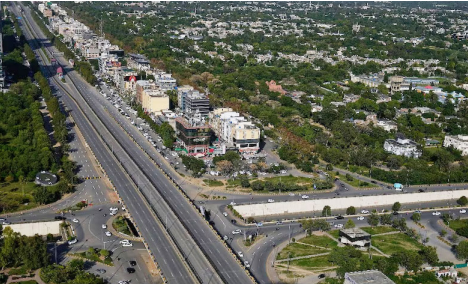
डिफेंस सिस्टम पर सबसे ज्यादा दबाव

ईरान के सस्ते ड्रोन और कूज मिसाइलों के सामने अमेरिकी डिफेंस सिस्टम पर ज्यादा दबाव पड़ा है। थाइ सिस्टम के 360 में से 190-290 नौसैनिक इंटरसेप्टर की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। हालांकि यह जरूरी नहीं कि यह 'इमरजेंसी' हो, लेकिन यह साफ संकेत है कि अमेरिका अपने सैन्य भंडार को फिर से मजबूत करना चाहता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और NATO की लॉजिस्टिक पहल के कारण पहले से ही सप्लाई डेन पर दबाव है। ऐसे में ईरान युद्ध के चलते हथियारों की कमी और डिलीवरी में देरी की आशंका बढ़ गई है।

10 दिनों से 'लॉकडाउन' में इस्लामाबाद

PAK की पब्लिक बोली- अवाम बददुआ देती है

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामबाद



इस्लामाबाद के फिदाउल्ला ईरान वार्ता की बात सुनकर ही भड़क उठते हैं, और पाकिस्तानी हुक्मरानों पर खरी-खोटी सुनाने में तनिक भी परहेज नहीं करते हैं। ईरान वार्ता की आस में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पिछले 10 दिनों से लॉकडाउन की स्थिति में है। इस्लामाबाद में सड़कें बंद हैं, बाजार ठप पड़े हैं, और चारों ओर सुरक्षा बलों का पहरा है। संभावित शांति वार्ता और हाई-प्रोफाइल दौरे को अटकलों के चलते शहर की सड़कों पर पाबंदियां लगा दी गई हैं। महंगाई से जूझ रही पाकिस्तान की गरीब जनता का कामकाज इस सिक्वियरिटी लॉकडाउन की वजह से ठप हो गया है। और कमाई का सारा रास्ता बंद हो गया है। इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान बातचीत की अनिश्चितता के बीच सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद अवोषित लॉकडाउन है। पूरे इस्लामाबाद में लॉकडाउन लगा हुआ है। पाकिस्तानी राजधानी की सड़कें कई दिनों से खाली पड़ी हैं, दुकानें बंद हैं और पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी रोक दिया गया है। अधिकारियों और दफ्तरों में काम करने वालों से घर से हो काम करने को कहा गया है, जबकि मजदूरों के पास कोई काम नहीं बचा है। सड़कों पर सिर्फ सेना और पुलिस की वर्दी पहने लोग ही नजर आ रहे हैं। कई लोगों को ऐसा लग रहा है जैसे वे फिर से महामारी के दौर में लौट आए हों।

लग रहा है पिंजरे में कैद हैं

सुरक्षा के दृष्टिकोण इस्लामाबाद के कई इलाके खाली कर दिए गए हैं। इस्लामाबाद के एक सरकारी अस्पताल, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हेल्थ ऑफिसर अरीज अख्तर कहती हैं कि उन हजारों लोगों में से एक थे जिन्हें उनके कमरों से बाहर निकाल दिया गया था। उन्होंने कहा, शनिवार को बहुत अफरा-तफरी मची थी और खुशकिस्मत हूं कि मेरा गांव यहां से सिर्फ तीन घंटे की ड्राइव की दूरी पर है। लेकिन बहुत से लोग जो दूर के शहरों और प्रांतों से आए थे, उन्हें अपने सहकर्मियों, दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने करनी पड़ी कि जब तक अमेरिका-ईरान बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक वे उन्हें अपने यहां रहने दें। द गार्जियन से बातचीत में अख्तर ने बताया कि जैसे-जैसे बातचीत में देरी होती गई उनकी निराशा भी बढ़ती गई। पब्लिक ट्रांसपोर्ट बंद होने का मतलब है कि वह शहर वापस नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है जैसे हम किसी पिंजरे में रह रहे हों। हम काम पर वापस नहीं जा सकते। मेरे जैसे बहुत से लोग प्लेट को किराया नहीं दे सकते, इसीलिए हम हॉस्टल में रहते हैं।

वार्ता को लेकर अनिश्चितता

इस्लामाबाद में वार्ता को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को ही कहा है कि अगले 72 घंटे में वार्ता को लेकर अच्छी खबर आ सकती है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का प्लान बदल गया और ईरान भी फैसला टाल रहा है। पाकिस्तानी सरकार ने सुरक्षा को प्राथमिकता दी है, लेकिन इससे स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अगर वार्ताएं आगे बढ़ती है या रह होती है तो स्थिति में बदलाव आ सकता है, लेकिन फिलहाल शहर में तनाव और परेशानी जारी है।

बांग्लादेश: नई सरकार में भी हिंदू सेफ नहीं

मंदिर के केयरटेकर की हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

बांग्लादेश में तीन दिन से लापता मंदिर के केयरटेकर नयन दास का शव पेड़ से लटका मिला। 35 साल के नयन सतकानिया के रहने वाले थे। वह खुर्रुश्कुरल यूनियन के पुलिसशोता घोना नाग पंचमी मंदिर में काम करते थे। पुलिस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, रविवार रात करीब 9 बजे कुछ अज्ञात लोग नयन दास को उनके घर से बुलाकर ले गए थे। इसके बाद वह नहीं दिखे। परिवार ने उन्हें हर जगह ढूढ़ने की कोशिश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। 120 अप्रैल कीरात कॉक्स बाजार सदर मॉडल पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अगले दिन से ही स्थानीय लोग उनकी तलाश में जुट गए। बुधवार दोपहर करीब 30 से 35 लोगों का एक समूह मंदिर के पास पहाड़ी इलाके में खोजबीन कर रहा था। तभी उन्हें एक पेड़ से लटका हुआ शव मिला। यह घटना बांग्लादेश में तारिक रहमान सरकार बनने के बाद हिंदू समुदाय से जुड़े किसी व्यक्ति की पहली हत्या मानी जा रही है।



नयन के गले पर चोट के निशान मिले

नयन दास का शव मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। शव के गले में कपड़ा लिपटा हुआ था। इसके बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए कॉक्स बाजार जनरल अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारी मोहम्मद सामीउद्दीन ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगा कि यह हत्या है या आत्महत्या। हालांकि, मंदिर से जुड़े एक व्यक्ति ने शक जताया है कि नयन दास की पहले हत्या की गई और बाद में शव को पेड़ से लटका दिया गया। उनका कहना है कि गले पर चोट के निशान भी थे। कॉक्स बाजार पूजा उद्‌जापन परिषद के महासचिव जॉनी धर ने परिवार के हवाले से बताया कि 19 अप्रैल को नयन दास को कुछ लोग घर से बुलाकर ले गए थे और वह फिर वापस नहीं लौटे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा

फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच महज 45 दिनों में कम से कम 15 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। वहीं बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाईएकता परिषद (BHCBC) के मुताबिक, अगस्त 2024 से नवंबर 2024 के बीच लगभग 82 हिंदुओं की हत्या हुई।

तुर्की से स्पेन तक नाटो से इन देशों को बाहर करेगा अमेरिका

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

नाटो को लेकर अमेरिका का रुख अब और सख्त होता जा रहा है। 'डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने नाटो सहयोगियों में से अच्छे और बुरे देशों की लिस्ट तैयार की है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जिन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका का साथ नहीं दिया। यह योजना नाटो महासचिव मार्क रूटे के हालिया अमेरिका दौरे से पहले तैयार की गई थी। द पॉलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो के सदस्य देशों को उनके योगदान और समर्थन के आधार पर अलग-अलग कैटेगरी में रखा गया है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि किस देश को किस कैटेगरी में रखा गया है और उसके खिलाफ क्या कदम उठाए जाएंगे। इस बात से यह संकेत जरूर मिलता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाटो देशों को दी गई धमकियों को पूरा करने की योजना बना रहे हैं।

किन देशों को होगा फायदा?

इस पूरी योजना के पीछे ईरान युद्ध बढ़ा कारण है। जिन देशों ने अमेरिका को अपने सैन्य टिकाने इस्तेमाल करने दिए या उसका समर्थन किया, उन्हें अच्छे सहयोगी माना जा रहा है। उदाहरण के लिए, रोमानिया और बुल्गारिया ने अमेरिका की मदद की। वहीं स्पेन, फ्रांस और इटली जैसे देशों ने इनकार किया। यूक्रे ने शुरू में इनकार फिर अपने सैन्य बेस के सीमित इस्तेमाल को मंजूरी दी। ग्रीस और तुर्की ने भी अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। पोलैंड और रोमानिया को इस नीति से सबसे ज्यादा फायदा हो सकता है, क्योंकि ये देश पहले से ही अमेरिका के करीबी हैं। पोलैंड में करीब 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं और वहां की सरकार उनके खर्च का बड़ा हिस्सा खुद उठाती है।



कौन US का सहयोगी माना जाएगा?

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पहले ही कह चुके हैं कि जो देश नाटो के लिए रक्षा खर्च बढ़ाते हैं और अमेरिका का साथ देते हैं, उन्हें आदर्श सहयोगी माना जाएगा। ऐसे देशों को ज्यादा सैन्य मदद, सुरक्षा और फायदे मिल सकते हैं। इसमें पोलैंड, जर्मनी और बाल्टिक देश (एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया) शामिल माने जा रहे हैं। इनके अलावा चेक रिपब्लिक और अल्बानिया ने ईरान पर हमले का समर्थन किया।

बिजनेस वर्ल्ड

पश्चिम एशिया संकट: चावल निर्यात 2025-26 में 7.5 प्रतिशत घटकर 11.53 अरब डॉलर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश का चावल निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5 प्रतिशत घटकर 11.53 अरब डॉलर रह गया। पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों सहित प्रमुख बाजारों को निर्यात में कमी इसकी मुख्य वजह रही। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली वही मार्च में निर्यात 15.36 प्रतिशत घटकर 99.75 करोड़ डॉलर रहा। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और ओमान सहित पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों को होने वाले निर्यात पर असर पड़ा है ईरान, भारत के बासमती चावल का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है लेकिन मौजूदा अस्थिरता के कारण ऑर्डर प्रवाह, भुगतान और जहाजों की आवाजाही पर दबाव बढ़ता दिख रहा है। खबरों के अनुसार, आयातकों ने अपनी मौजूदा प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और भारत को भुगतान भेजने में असमर्थता जताई है जिससे निर्यातकों के लिए अनिश्चितता उत्पन्न हो गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 172 से अधिक देशों को 2.01 करोड़ टन चावल का निर्यात किया था जिसकी कीमत 12.5 अरब डॉलर थी।भारत, दुनिया के सबसे बड़े चावल उत्पादकों में से एक है। 2024-25 में देश ने लगभग 4.7 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र से करीब 15 करोड़ टन चावल का उत्पादन किया जो वैश्विक उत्पादन का लगभग 28 प्रतिशत है। औसत उपज 2014-15 में 2.72 टन प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 2024-25 में लगभग 3.2 टन प्रति हेक्टेयर हो गई है। इसकी मुख्य वजह बीज की बेहतर किस्में, उन्नत कृषि पद्धतियां और सिंचाई क्षेत्र का विस्तार है।



आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी का चौथी तिमाही में मुनाफा 18 प्रतिशत घटकर 187 करोड़ रुपए

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी का मार्च, 2026 में समाप्त तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 187 करोड़ रुपए रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 228 करोड़ रुपए था। संपति प्रबंधन कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय सात प्रतिशत बढ़कर 458.2 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले 429 करोड़ रुपए थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए पूर्ण रूप अंतिम मूल्य वाले प्रत्यक्ष शेयर पर 25.50 रुपए के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी ने कहा कि शेयरधारकों से मंजूरी मिलने पर लाभांश का भुगतान वार्षिक आम बैठक के समापन के 30 दिन के भीतर किया जाएगा। रिपोर्ट तिथि की जानकारी मंजूरी के बाद अलग से दी जाएगी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 975.1 करोड़ रुपए और परिचालन आय 10 प्रतिशत बढ़कर 1,845 करोड़ रुपए रही।

नैसकॉम ने फ्रैक्टल के सह-संस्थापक श्रीकांत वेलमकन्नी को चेयरमैन नियुक्त किया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश की कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रैक्टल के सह-संस्थापक और समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीकांत वेलमकन्नी को नैसकॉम का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष निकाश नैसकॉम ने बहुसंख्यकता को यह जानकारी दी। वेलमकन्नी ने एसपी लेक्स इंडिया की प्रबंध निदेशक सिंधु गंगाधरन का स्थान लिया है, जिनका चेयरमैन के रूप में कार्यकाल अक्टूबर 2026 में पूरा हो रहा है। नैसकॉम ने बताया कि किशोर पाटिल को संस्था का वाइस चेयरमैन चुना गया है। पाटिल केपीआईटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक हैं। नैसकॉम के अनुसार, वेलमकन्नी देश की शुरुआती और एआई आधारित प्रमुख कंपनियों में से एक के सह-संस्थापक हैं और उनके पास कृत्रिम मेधा, डेटा विश्लेषण और वैश्विक बाजार की गहरी समझ है, जो इस समय उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। वेलमकन्नी नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार और कार्यकारी परिषद के साथ मिलकर उद्योग की दिशा तय करेंगे। वेलमकन्नी ने कहा कि इस बेहद महत्वपूर्ण समय पर नैसकॉम के चेयरमैन का पद सभालकर उन्हें खुशी है। उन्होंने कहा, 'एआई क्षेत्र में हो रही प्रगति से छंदे और बड़े सभी कारीबारों के लिए अपने कामकाज को नए तरीके से ढालने के अपूर्व अवसर खुल रहे हैं। इस बदलाव में भारत की भूमिका बेहद अहम होगी। आने वाले समय में हमारा ध्यान सैफ्टी और उत्पादों में एआई आधारित विकास को आगे बढ़ाने और कार्यलय को इसके लिए तैयार करने पर रहेगा।

लीपफ्रॉग इंजिनीअरिंग सर्विसेज लिमिटेड का एसएमई आईपीओ लॉन्च

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई, 23 अप्रैल 2026 : लीपफ्रॉग इंजिनीअरिंग सर्विसेज लिमिटेड ने अपनी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बीएसई एक्सएमई प्लेटफॉर्म पर अपना 'डनिशियाल पब्लिक ऑफरिंग' (IPO) लाने की घोषणा की है। इस आईपीओ की कुल वैल्यू 88.51 करोड़ रुपये है। यह एक बुक-बिल्ड इश्यू है, जिसमें नए शेयरर्स की बिक्री और 'ऑफर फॉर सेल' दोनों शामिल हैं। कंपनी 79.60 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 3.46 करोड़ नए शेयर जारी करेगी, जबकि 'ऑफर फॉर सेल' के जरिए 8.91 करोड़ रुपये के लगभग 0.39 करोड़ शेयर बचे जाएंगे। निवेश के लिए यह आईपीओ 23 अप्रैल 2026 से खुला है और 27 अक्टूबर 2026 को बंद होगा। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 30 अप्रैल 2026 को बीएसई एक्सएमई प्लेटफॉर्म पर होने की उम्मीद है। पिछले दो दशकों से इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाली यह कंपनी, अब अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और परिचालन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी ने प्रति शेयर 21 रुपये से 23 रुपये का प्रारंभ से बैंड तय किया है। निवेशकों को कम से कम 6,000 शेयरों के (2) लॉट के लिए आवेदन करना होगा। रिटेल निवेशकों को उपर्युक्त बैंड के हिसाब से न्यूनतम 1,38,000 रुपये का निवेश करना होगा। HNI निवेशकों को कम से कम 18,000 शेयरों के लिए 4,14,000 रुपये की राशि लगानी होगी। साल 2005 में एक छोटी इंजीनियरिंग फर्म के रूप में शुरू हुई 'लीपफ्रॉग इंजिनीअरिंग' आज एक पूर्ण-सेवा वाली EPCC (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन और कंसल्टिंग) कंपनी बन चुकी है। इन वर्षों में, कंपनी ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इन्फ्रस्ट्रक्चर, ऑटोमेशन सिस्टम, फ़ैक्ट्री प्रोटेक्शन और मॉड्यूलर सबस्टेशन जैसे क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता हासिल की है। लीपफ्रॉग ने ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल्स, फूड प्रोसेसिंग, मेटल और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विभिन्न उद्योगों में काम किया है। प्रोजेक्ट्स को शुरू से अंत तक सफलतापूर्वक पूरा करने की क्षमता के कारण कंपनी के पास न केवल पुराने ग्राहक बने हुए हैं, बल्कि नए व्यापारिक संबंध भी मजबूत हुए हैं। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो, कंपनी ने हाल के वर्षों में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है।



लेबलब्लाइंड ने सिंगापुर में पेश किया भारत का AI-संचालित फूड लेबलिंग सिस्टम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत, 23 अप्रैल 2026 : भारत का अग्रणी AI-आधारित डिजिटल फूड लेबलिंग सॉल्यूट, लेबलब्लाइंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने सिंगापुर एक्सपोजे में आयोजित होने वाले 'फूड एंड होटल एशिया' (FHA) 2026 में भाग लिया है। यह भागीदारी वैश्विक बाजारों तक पहुंचने में भारतीय निर्यातकों की मदद करने के लेबलब्लाइंड के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। कंपनी ने इस कार्यक्रम में अपने एआई-संचालित लेबलिंग अनुपातन प्लेटफॉर्म, FoL.Sol को दुनिया भर के खाद्य व्यवसायों, निर्यातकों और नियामक पेशेवरों के सामने पेश किया है। 'फूड एंड होटल एशिया' (FHA) खाद्य, पेय पदार्थ और होस्पिटैलिटी क्षेत्र के लिए एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोजनों में से एक है। 121 अप्रैल से आयोजित 2026 के इस संस्करण में F&A फूड एंड बेवरेज और F&A होरेका (HoReCa) दोनों खंडों को एक ही मंच पर ला



कृति सेनन का बोल्ड अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। कृति जल्द ही कार्तिक आर्यन और रश्मिका मंदाना के साथ 'कोकटेल 2' में नजर आने वाली हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी सुपर सिजलिंग तस्वीरों से फैंस के दिल की धड़कने बढ़ा दी है।

■ कृति सेनन ने अपना ग्लैमरस बीच लुक शेयर किया है। समंदर की लहरों के बीच कृति का किलर लुक और उनके ग्लैमरस आउटफिट ने फैंस को दीवाना बना दिया है। कृति सेनन बेहद स्टाइलिश मल्टी-कलर्ड कट-आउट को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं। इसमें अर्थी टोन्स और एब्सट्रेक्ट प्रिंट्स का इस्तेमाल किया गया है, जो बीच-वेयर के लिए बेस्ट है।

■ नेकलाइन पर हॉल्टर स्टाइल और वेस्ट पर रफल्ड मिनी स्कर्ट का कॉम्बिनेशन कृति की टोंड लेग्स को बखूबी फ्लॉन्ट कर रहा है। नीले समंदर के बैकड्रॉप में कृति का आत्मविश्वास और उनकी अदाएं किसी जलपरी से कम नहीं लग रही हैं। कृति सेनन ने न्यूड मेकअप और खुले मेसी बालों के साथ अपना लुक कम्लीट किया है। तस्वीरों में वह एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कृति सेनन की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कमेंट सेक्शन 'फायर' और 'हार्ट' इमोजी से भर गया है।

दैनिक ठाणे, शुक्रवार 24 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR



विद्या बालन के साथ चौथी फिल्म करेंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अनीस बज्मी की नई फिल्म के लिए विद्या बालन के साथ अपनी चौथी फिल्म की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है उनकी जोड़ी का गुड लक चार्म फिर से काम करेगा। जानिए कहां शूट होगा फिल्म का पहला शूटिंग?

अक्षय और विद्या की चौथी फिल्म

अभिनेता अक्षय कुमार ने आज विद्या बालन के साथ अपनी चौथी फिल्म की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस फिल्म का निर्देशन अनीज बज्मी करेंगे। इस वीडियो में अक्षय और विद्या साथ में फ्लाइट में चढ़ते दिखाई दिए। इससे साथ ही अक्षय ने बताया कि वह अपनी इस फिल्म की शूटिंग के शुरूआती शूटिंग के लिए केरल जा रहे हैं।



एक साथ कई फिल्में कर चुके हैं अक्षय और विद्या

अक्षय कुमार और विद्या बालन पहले 3 फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं - 'भूल भुलैया', 'हे बेबी' और 'मिशन मंगल'। अब अक्षय और विद्या निर्देशक अपनी चौथी फिल्म करने वाले हैं, जिसका निर्देशन अनीज बज्मी करेंगे। बहरहाल, नई फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं आई है। फिलहाल, अक्षय कुमार की फिल्म 'भूल बंगला' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में अक्षय के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव हैं। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है।

आगामी फिल्म को लेकर अक्षय का खास नोट

अपनी नई फिल्म की घोषणा के साथ अक्षय कुमार ने लिखा कि अगला पड़ाव - भगवान का अपना देश, जादुई केरल। अनीस बज्मी की अगली फिल्म में विद्या बालन के साथ मेरी यह चौथी फिल्म है। अक्षय ने आगे लिखा कि मुझे उम्मीद है कि हमारी जोड़ी का गुड लक चार्म बना रहेगा।

‘गवर्नर’ का दमदार पोस्टर



विपुल अमृतलाल शाह ने कई लीक से हटकर फिल्मों दी हैं और अब वो एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट लेकर आने के लिए तैयार हैं। अपडेट के मुताबिक, उनकी आने वाली फिल्म के पोस्टरर्स सामने आ गए हैं, जिसमें फिल्म के नाम के साथ-साथ एक रहस्यमयी संस्पेंस भी नजर आ रहा है।

■ 'गवर्नर' : द साइलेंट सेवियर' नाम की इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर अपने पहले पोस्टर के साथ ही लोगों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। बिना ज्यादा कुछ बताए बहुत कुछ कह जाने वाला 'गवर्नर' : द साइलेंट सेवियर' का यह पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसे चिन्मय मांडलेकर ने डायरेक्ट किया है।

■ पोस्टर में मनोज बाजपेयी पीछे से नजर आ रहे हैं, जो हाथ में एक सूटकेस लिए कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म की टेगलाइन है कि अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा, जो एक हार्ड-वोल्टेज लीगल थ्रामा की तरह इशारा करती है।

■ दूसरे पोस्टर में, एक हरी कुर्सी की हाईलाइट किया गया है जिस पर टेगलाइंस लिखी हैं कि इंडिया दिवालिया होने की कगार पर है और यह सिर्फ कुर्सी नहीं... जिम्मेदारी है। यह देश के इर्द-गिर्द बुनी गई एक गंभीर और गहरी कहानी की ओर इशारा करता है।

■ इस फिल्म के साथ विपुल अमृतलाल शाह एक बार फिर एक दिलचस्प कहानी लेकर वापस आ रहे हैं। इसके अलावा, फिल्ममेकर का मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर पोस्टर रिलीज करना साउथ इंडस्ट्री के उस ट्रेड की याद दिलाता है जहां एक्टर के जन्मदिन पर फिल्म की खास झलकियां शेयर की जाती हैं, जो फैंस के लिए इस तारीख को यादगार बना देता है।

■ अपनी बेहतरीन एक्टिंग, जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और किरदारों पर अपनी पकड़ के लिए मशहूर मनोज बाजपेयी, इस फिल्म में भी एक यादगार परफॉर्मंस देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पहले ही अपनी शानदार एक्टिंग से इंडस्ट्री में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। 'सनशाइन फिक्स' के बैनर तले बन रही यह फिल्म एक और इंटेंस थ्रामा होने का वादा करती है।

■ यह फिल्म विपुल अमृतलाल शाह और मनोज बाजपेयी का पहला साथ काम होगा। जब ये दो नेशनल अवॉर्ड विनर्स एक साथ आ रहे हैं, तो वाकई यह एक अलग तरह का सिनेमाई जादू होने वाला है, जो बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है। मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज होने से यह मौका वाकई और भी खास हो गया है।

आईपीएल डेब्यू के बाद वैभव सूर्यवंशी ने ज्यादा मारे हैं छक्के

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में पिछले साल ही 14 की उम्र में अपना पहला मैच खेला था। आईपीएल में खुद को फेंकी गई पहली ही गेंद पर शार्दूल ठाकुर को सिक्स जड़ने वाले इस लड़के ने उसके बाद से इस टूर्नामेंट में इतने सिक्स जड़े हैं, जितना उनके डेब्यू के बाद से कोई भी दूसरा दिग्गज से दिग्गज बल्लेबाज नहीं जड़ पाया है।

देखिए टॉप 5 में और कौन धुंधंध

वैभव सूर्यवंशी : बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव सूर्यवंशी ने 19 अप्रैल 2025 को आईपीएल में अपना पहला मैच खेला था। उन्होंने 14 साल और 23 दिन की उम्र में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ डेब्यू किया था। अपने डेब्यू मैच में उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्के के साथ खाता खोला था। उसके बाद से अब तक वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में 44 छक्के जड़ दिए हैं। उनके डेब्यू के बाद से कोई भी दूसरा बल्लेबाज आईपीएल में इतने छक्के नहीं जड़े हैं। आईपीएल 2026 में सूर्यवंशी ने अब तक 20 छक्के जड़े हैं।

अभिषेक शर्मा : वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल डेब्यू के बाद इस टीम में दूसरे सबसे ज्यादा सिक्स अभिषेक शर्मा के हैं। उन्होंने इस दौरान 35 छक्के जड़े हैं। अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अब तक सबसे ज्यादा 27 छक्के उड़ाए हैं।

प्रभासिम्हर सिंह : वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल डेब्यू के बाद से इस टीम में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों में पंजाब किंग्स के प्रभासिम्हर सिंह तीसरे पायदान पर हैं। उन्होंने इस दौरान 34 छक्के

लगाए हैं। आईपीएल 2026 में प्रभ ने अब तक 11 छक्के जड़े हैं।

श्रेयस अय्यर : वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल डेब्यू के बाद इस भारतीय टीम में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर चौथे पायदान पर हैं। उन्होंने इस दौरान 33 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2026 में अय्यर के नाम अब तक 14 सिक्स दर्ज हो चुके हैं।

सूर्यकुमार यादव : आईपीएल 2026 में सूर्यकुमार यादव भले ही संघर्ष कर रहे हों लेकिन वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल डेब्यू के बाद इस टीम में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली की लिस्ट में वह पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। उन्होंने इस दौरान अब तक 29 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2026 में अब तक सूर्यकुमार यादव के नाम अब तक सिर्फ 6 ही छक्के हैं।

उर्फी जावेद ने किया केले का अलबेला इस्तेमाल

उर्फी जावेद फिल्म जगत में अपने अभिनय के दम पर बैशाक कुछ खास नहीं कर पाई हैं। मगर, फैशन के मामले में उन्होंने गर्दा उड़ा दिया है। इस मामले में उनके पास अननगिनत आइडिया हैं। हर बार अपनी क्रिएटिविटी से वह लोगों को चौंकाती हैं और सोशल मीडिया पर तो खैर सनसनी मचा ही देती हैं। उर्फी अपनी एक ड्रेस की वजह से फिर सुर्खियों में हैं।

उर्फी ने केले के छिलकों को पीसकर बनाई ड्रेस

उर्फी जावेद ने मोती, सेलो टेप, बैंडेज, पंधा, पिन, ब्लेड और कॉफी सहित कई अन्य आइटम्स से अनोखी ड्रेस तैयार की हैं। इस बार उन्होंने ड्रेस बनाने का यह प्रयोग केलों के छिलके के साथ किया है। उर्फी के इस आइडिया की तारीफ इसलिए भी हो रही है, क्योंकि उनकी ड्रेस को देखकर यह अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि यह केले के छिलके से बनी है।



खुद बताया, कैसे की पूरी तैयारी?

उर्फी जावेद ने आज गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे अपनी नई ड्रेस तैयार करने की प्रक्रिया बताती दिख रही हैं। उर्फी वीडियो में कह रही हैं कि वैसे तो मैं पहले भी केले के छिलकों से तैयार ड्रेस पहन चुकी हैं, लेकिन इस बार मैंने सोचा कुछ अलग करती हूँ। वे आगे कहती हैं, मैंने केले के छिलके लिए, उन्हें पीसा और फिर उसमें अगर-अगर और ग्लीसरीन डाला। इसके बाद बायोप्लास्टिक शीट बनाई। इन्हें सांचों में डालकर, धूप में सुखाया। इसके बाद इन्हें काटकर पापड़ की तरह बनकर तैयार हुए। इसके बाद इन्हें काटकर सिलते हुए ड्रेस बनाई।

उर्फी की क्रिएटिविटी के मुरीद हुए फैंस

वीडियो में उर्फी आगे कहती हैं कि यह ड्रेस और बेहतर हो सकती थी, लेकिन बायोप्लास्टिक का इस्तेमाल करके ड्रेस बनाने का यह मेरा पहला प्रयास था। उर्फी जावेद के इस आइडिया और मेहनत की नेटिजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उनकी क्रिएटिविटी के मुरीद हो गए हैं। कोई उन्हें प्रतिभाशाली कहा रहा है तो कोई उन्हें क्रिएटिव बता रहा है।

‘आखिरी सवाल’ से कमबैक कर रही समीरा रेड्डी



बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनार्जसमेंट के साथ ही जबरदस्त सुर्खियां बटोरने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जयंती के मौके पर फिल्म का टीजर रिलीज किया।

■ फिल्म का टीजर दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाता है जो पहले कभी नहीं देखी गई। इस फिल्म के जरिए समीरा रेड्डी भी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और उन्होंने इसे लेकर अपनी बात रखी है।

■ समीरा रेड्डी ने 'आखिरी सवाल' के साथ अपने कमबैक के बारे में बताया, मैंने फिल्मों में वापसी सिर्फ सुरक्षित रोल करने के लिए नहीं की है, और 'आखिरी सवाल' तो बिल्कुल भी कंफर्टेबल फिल्म नहीं है। आरएसएस को लेकर मेरी समझ बहुत कम थी और जो भी थी वो आधी-अधुरी जानकारी पर टिकी थी, लेकिन स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद मुझे एहसास हुआ कि बहुत सी बातें वैसी नहीं थीं जैसी दिखती थीं। यह बात मेरे दिल में बैठ गई।

डीसी से जल्द जुड़ेंगे स्टार्क

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने प्रतियोगी क्रिकेट खेलने की मंजूरी दे दी है। सीए से मंजूरी मिलने के बाद मिचेल स्टार्क आईपीएल 2026 के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हिस्सा बनने की तैयार हैं। कोहली और कंधे की दिक्कतों की वजह से अब तक आईपीएल से बाहर रहे स्टार्क जल्द दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ सकते हैं। स्टार्क के 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दिल्ली के मैच में खेलने की संभावना है।

स्टार्क को लगी थी चोट

स्टार्क को कंधे और कोहनी की दिक्कत एंशेज सीरीज के पांच टेस्ट और फिर बिग बैश लीग खेलने के दौरान हुई थी। स्टार्क ने एंशेज सीरीज के सभी पांच टेस्ट खेले थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था। स्टार्क के आईपीएल से बाहर रहने की आलोचना सोशल मीडिया पर हो रही थी। इसको लेकर कुछ समय पहले उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपना पक्ष रखा था। स्टार्क ने आगे कहा था कि मैं मानता हूँ कि यह चोट और ट्रायमिंग दिल्ली टीम के लिए परेशानी वाली है। इसके लिए और इस सीजन के शुरूआती हिस्से के लिए उपलब्ध नहीं होने के लिए फैंस से माफ़ी मांगता हूँ। मैं डीसी से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूँ, टीम को लगातार अपडेट कर रहा हूँ।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगोवं, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।

दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेन चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप